हरिभूमि

सिरसा-फतेहाबाद भूमि

रोहतक, रविवार 14 जुलाई 2024

12 नशे के खिलाफ पुलिस और ड्रग विभाग ने की छापेमारी

12 बोसवाल में युवाओं को दिया सीपीआर का प्रशिक्षण

BABA MASTNATH UNIVERSITY

Asthal Bohar, Rohtak-124021 (Haryana)

(Unique Blend of Science and Spirituality)

Mahant Balaknath Ji Yogi
Chancellor, BMU

Awarded With India's Best Quality Award

New Normal 2023 Education Leadership Summit & Awards, New Delhi, 21st-22nd July — Outstanding University in Innovative Teaching and Learning Practices 2023

150+ Acres Land | 80+ Programmes | 15000+ Students | 5200+ Placed Student | 65+ Yrs. in Education | 25000+ Regi. Alumni | 500+ Faculty | 50+ Departments | 1800+ Res. Paper Published

ADMISSIONS OPEN 2024-25

Get upto 100% Scholarship ***

NEP 2020 Syllabus | Internship & Placement Support | Skill Enhancing Courses

PROGRAMMES OFFERED

FACULTY OF ENGINEERING
- **B.Tech.**-Computer Science and Engg.
  - -AIML
  - -Data Science
  - -Cyber Security
  - -IOT & Blockchain
  - -Comp. Animation & Gaming
- **B.Tech.**-Civil Engg.
  - -Transportation Engg.
  - -Structural Engg.
- **B.Tech.** (Mechanical Engg.)
- **B.Tech.** (Electronics & Comm. Engg.)
- **M.Tech.** (Computer Science and Engg.)
- **M.Tech.** (Civil Engg.)
  - -Transportation Engg.
  - -Structural Engg.

FACULTY OF HUMANITIES
- **B.A.** (Bachelor of Arts)
- **B.A.** (Bachelor of Arts) Hons. with Research
- **B.A.** (Bachelor of Arts) English (Hons.)
- **B.A. J.M.C.**
- **B.A. J.M.C.- Hons. with Research**
- **B.Lib. & Info. Science**
- **Shastri**
- **M.A.**-Hindi
- **M.A.**-English
- **M.A.**-History
- **M.A.**-Pol. Sc.
- **M.A.**-Economics
- **M.A.**-Education
- **M.A.**-Sociology
- **M.A.**-Pub. Admin.
- **M.A.**-Geography
- **M.A.**-J.M.C.
- **M.A.**-Sanskrit
- **M. Lib. & Info. Science**
- **DIPLOMA**
  - -Leadership & Management
  - -Guidance & Counselling
  - -Early Childhood Care & Education

FACULTY OF PHARMACY
- **D. Pharm.**
- **B.Pharm.**
- **M.Pharm.**-(Pharmaceutics)
- **M.Pharm.**-(Pharmacology)

FACULTY OF AYURVEDA
- **BAMS** -Bachelor of Ayurvedic Medicine and Surgery

FACULTY OF PHYSIOTHERAPY
- **BPT** (Bachelor of Physiotherapy)
- **B.Sc.**-Medical Lab Technology
- **B.Sc.**-Ophthalmic Technology
- **MPT**-Sports
- **MPT**-Neurology
- **MPT**-Orthopaedics
- **MPT**-Cardiothoracic & Pulmonary Disorder

FACULTY OF SCIENCES
- **B.Sc.**-(Hons.) Agriculture
- **B.Sc.**-Mathematics
- **B.Sc.**-Hons. in Mathematics
- **B.Sc.**-Physics
- **B.Sc.**-Hons. in Physics
- **B.Sc.**-Chemistry
- **B.Sc.**-Hons. in Chemistry
- **B.Sc.**-Bio-Technology
- **B.Sc.**-Hons. in Bio-Technology
- **B.Sc.**-Home Science
- **B.Sc.**-Hons. in Home Science
- **B.Sc.**-Physical Sciences
- **B.Sc.**-Physical Sciences with Major Mathematics
- **B.Sc.**-Physical Sciences with Major Physics
- **B.Sc.**-Physical Sciences with Major Chemistry
- **B.Sc.**-Life Sciences
- **B.Sc.**-Life Sciences with Major Botany
- **B.Sc.**-Life Sciences with Major Zoology
- **B.Sc.**-Life Sciences with Major Chemistry
- **M.Sc.**-Physics
- **M.Sc.**-Chemistry
- **M.Sc.**-Botany
- **M.Sc.**-Zoology
- **M.Sc.**-Bio-Technology
- **M.Sc.**-Mathematics
- **M.Sc.**-Home Science

FACULTY OF MGT. AND COMM.
- **BBA**
  - -Digital Marketing & Sales
  - -IT with AI-ML
  - -Marketing
  - -HR Management
  - -Finance
  - -International Business
  - -Entrepreneurship
  - -Hons. With Research
- **MBA**
  - -IT with AI-ML
  - -Marketing
  - -HR Management
  - -Finance
  - -International Business
  - -Entrepreneurship
- **B.Com**
  - -General
  - -Professional-CA Stream
  - -Professional-CS Stream
  - -Hons. With Research
- **M.Com.**
- **BCA**
  - -General
  - -Data Science
  - -AI & ML
  - -Graphics & Animation
- **MCA**
  - -General
  - -Data Science
  - -AI & ML
  - -Graphics & Animation

Newly Introduced Programmes:-
- B.Sc. -(Hons.) Agriculture
- B.Sc. -Medical Lab Technology
- B.Sc. -Optometry

FACULTY OF LAW
- **B.A. LL.B.** - (5 Years Integrated Programme)
- **LL.B.** - (3 Years)
- **LL.M.** - (2 Years)

FACULTY OF NURSING
- ***ANM** - (2 Years)
- ***GNM** - (3 Years)
- **Post Basic B.Sc. Nursing** -(2 Years after GNM)

Ph.D.-Available in All Streams

WHY TO CHOOSE BMU
- ✓ Unique Blend of Science and Spirituality
- ✓ Quality Education at Affordable Fee
- ✓ Multi-disciplinary and Holistic Education
- ✓ Skill Development Programmes
- ✓ Research Projects in UG and PG Programs
- ✓ Innovation, Start-ups and Incubation Centre
- ✓ Indian Knowledge System Courses
- ✓ Office of International Student Affairs
- ✓ Youth Skilling and Competitive Examination Centre
- ✓ Training and Placement Facilities
- ✓ UNO Academic Impact Membership

SALIENT FEATURES
- » Wi-fi Campus
- » 24x7 Electricity
- » Well stocked Libraries
- » Well equipped Laboratories
- » Separate Hostel for Boys/Girls
- » Air-Conditioned Auditorium
- » NCC, NSS, & Youth Red Cross Units
- » Hospitals having modern Equipments
- » CCTV Enabled Safe & Secure Campus

Scan to visit website

ESCORTS | sona | CAPARO FASTENERS | HNG | TATA CONSULTANCY SERVICES | SURYA | भारतीय सेना | Infosys | HCL | MARUTI SUZUKI

+91-9053066636, 8683888830/31/32 || www.bmu.ac.in

खबर संक्षेप

नोहरिया बाजार में घर से लाखों के आभूषण चोरी

सिरसा। थाना शहर सिरसा पुलिस ने नोहरिया बाजार की गली बावड़ी वाली निवासी सुनीता पत्नी सुभाष चंद्र की शिकायत पर अज्ञात के खिलाफ चोरी व सेंधमारी के आरोप में मामला दर्ज किया है। सुनीता ने बताया कि वह अपने परिवार के साथ अपने पति के ईलाज के लिए बाहर गई हुई थी। बीते दिवस वह घर लौटी तो घर से 2 जोड़ी सोने के टॉप्स, एक चेन, एक लॉकेट, एक अंगूठी, चांदी के सक्कि, पाजेब, टैब, 20 हजार की नगदी, हेड फोन, एयरबड व चार घड़िया नदारद मिलीं। अज्ञात व्यक्ति ने करीब एक लाख 60 हजार रुपये कीमत के सामान को चुराया है। पुलिस ने मामला दर्जकर जांच शुरू कर दी है।

ललित हार्ट चाइल्ड केयर सेंटर से दानपात्र चुराया

सिरसा। चोर अब दान पात्रों को भी निशाना बनाने लगे है। डबवाली रोड स्थित ललित हार्ट चाइल्ड केयर सेंटर से चोर गौशाला हेतु रखे गए दानपात्र को ही चुरा ले गए। अस्पताल के संचालक डा. ललित मोहन की ओर से थाना शहर सिरसा में दर्ज करवाई गई शिकायत में बताया कि अज्ञात व्यक्ति अस्पताल के काउंटर पर रखे दानपात्र को मध्य रात्रि में उठाकर ले गया। जिसमें करीब 3500 रुपये थे। शिकायत में बताया कि चोर मुंह ढंके हुए था और उसने रात्रि पौने दो बजे वारदात को अंजाम दिया। सिविल लाइन सिरसा पुलिस ने मामला दर्जकर छानबीन शुरू कर दी है।

ट्रस्ट ने छात्रवृत्ति के लिए मांगे आवेदन

सिरसा। श्री वश्विकर्मा एजूकेशन ट्रस्ट सिरसा द्वारा जांगिड़/सुथार समाज के मेधावी वद्यिार्थियों से वर्ष 2024-25 की छात्रवृत्ति हेतु आवेदन आमंत्रित किये गए हैं। इसको लेकर ट्रस्ट पदाधिकारियों की एक मीटिंग आयोजित की गई। ट्रस्ट के अध्यक्ष औमप्रकाश सुथार ने बताया कि ट्रस्ट की ओर से परीक्षाओं में समाज के मेधावी वद्यिार्थियों को हर वर्ष छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है। उन्होंने बताया कि छात्रवृति के लिए वद्यिार्थी 15 जुलाई 2024 से 15 अगस्त 2024 को सांय 5 बजे तक आवदेन भेज सकते हैं।

चार के खिलाफ अपहरण का मामला दर्ज

जींद। उचाना थाना इलाके से युवती के संदग्धि हालात में गायब होने पर उचाना थाना पुलिस ने चार युवकों के खिलाफ अपहरण समेत विभन्नि भारतीय न्याय संहिता के तहत मामला दर्ज किया है। उचाना थाना इलाका गांव के एक व्यक्ति ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि बीती रात उसकी बेटी घर से गायब हो गई।

कार्यकर्ता चुनाव के लिए तैयार रहे : रवि

पूंडरी। भाजपा करोड़ा मंडल की विस्तारित मंडल कार्यकारिणी की बैठक मंड़ल अध्यक्ष देवीदयाल बरसाना की अध्यक्षता में पाई अनाज मंडी में हुई। इस बैठक मे मुख्य वक्ता घुमंतू जाति के वाईस चेयरमैन जसवंत पठानिया व एएसी आयोग के सदस्य पूंडरी विधानसभा संयोजक रवि तारावाली ने भाग लिया।

प्रताड़ित करने के आरोप में पति गिरफ्तार

कैथल। थाना कलायत क्षेत्र के एक गांव में विवाहिता के साथ दहेज के लिए मारपीट कर उसे प्रताड़ित करने के आरोप में थाना कलायत पुलिस की लेडी एचसी रीना द्वारा पीड़िता के रामरतन को गिरफ्तार कर लिया गया। जिला जींद के एक गांव निवासी पीड़िता द्वारा पुलिस को दी शिकायत अनुसार पीड़िता की शादी 24 फरवरी 2012 को रामरतन उपरोक्त के साथ हुई थी।

कार की टक्कर से बाइक सवार बाप व बेटी घायल

जींद। गांव गुलकनी के निकट तेज रफ्तार कार ने बाइक को टक्कर मार दी। जिसमें बाइक सवार बाप व बेटी घायल हो गए। सदर थाना पुलिस ने घायल की शिकायत पर फरार कार चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। गांव रधाना निवासी सतीश ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह अपनी बेटी शिवानी को बाइक पर लेकर हिसार से गांव वापस लौट रहा था।

गांव बणी के नशा मुक्ति कैंप में बोले पुलिस अधीक्षक

पीड़ितों का इलाज करवा कर मुख्य धारा में लाना प्राथमिकता

स्वास्थ्य विभाग की टीम ने की काउंसलिंग, नशे से पीड़ित 75 पहुंचे

हरिभूमि न्यूज ▸▸ सिरसा

सिरसा। गांव बणी में आयोजित नशा मुक्ति कैंप में आए ग्रामीणों को पौधे वितरित करते हुए।

गांव बणी में पुलिस विभाग ने स्थानीय प्रशासन के सहयोग से एक नशा मुक्ति कैंप का आयोजन किया गया। इस नशा मुक्ति कैंप में गांव बणी तथा आसपास के क्षेत्र से विभिन्न प्रकार के नशे से पीड़ित करीब 75 युवक पहुंचे। पुलिस अधीक्षक विक्रांत भूषण ने बताया कि शिविर में पहुंची स्वास्थ्य विभाग की टीम से सभी युवाओं को दवाई दिलवाई गई तथा उनकी काउंसलिंग करवाई गई है तथा उन्हें नशे के दुष्परिणामों के बारे में भी जानकारी दी गई है। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि जिला पुलिस द्वारा जहां नशा तस्करों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जा रही है वहीं आमजन को नशे के खिलाफ जागरूक भी किया जा रहा है तथा नशे से पीड़ित युवाओं का स्थानीय प्रशासन के सहयोग से इलाज भी करवाया जा रहा है। पुलिस अधीक्षक विक्रांत भूषण ने बताया कि जिला पुलिस की ओर से पुलिस जवानों की वॉलीबॉल, कबड्डी, क्रिकेट तथा बास्केटबॉल की चार पुलिस टीमों का गठन किया गया है। उन्होंने बताया कि जिला पुलिस की उक्त टीमें शहर तथा गांवो में जाकर युवाओं को खेल गतिविधियों में शामिल कर उन्हें नशा मुक्ति का संदेश दे रही है। उन्होंने बताया कि जिला पुलिस द्वारा चलाए जा रहे अभियान के सार्थक प्रणाम सामने आ रहे हैं तथा ग्राम पंचायतों के सहयोग से अब तक जिला के 82 गांव तथा शहर सिरसा के चार वार्ड नशा मुक्त किया जा चुके हैं। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि जिला पुलिस द्वारा चलाए गए अभियान से प्रभावित होकर अनेक युवा अब तक नशा से तौबा कर चुके हैं। उन्होंने बताया कि नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान की संपूर्ण सफलता के लिए जनसंयोग अति आवश्यक है। इस अवसर पर डीएसपी संजीव बल्हारा ने उपस्थित लोगों को नशे के खिलाफ शपथ दिलाई तथा पौधरोपण कर विभन्नि प्रकार के पौधे वितरित किए। इस अवसर पर डीएसपी संजीव बल्हारा के अलावा रानिया थाना प्रभारी इंस्पेक्टर दिनेश कुमार, सुरक्षा शाखा प्रभारी उप निरीक्षक प्रेम कुमार, करीवाला तथा जीवन नगर के चौकी प्रभारी राजेश कुमार तथा पृथ्वी, डॉ पंकज शर्मा, डॉ. ओमप्रकाश तथा डॉ. बॉबी तथा गांव बणी की सरपंच नैना झौरड,उम्मीद क्लब बणी के प्रधान विकास झौरड सहित आसपास के गांवो के अनेक लोग तथा युवा मौजूद रहे।

माता लक्ष्मी विवाह का सार सुन श्रद्धालु हुए भाव विभोर

- आध्यात्मिक पहलुओं को श्रद्धालुओं के समक्ष रखा
- कथावाचिका ने देवी मां के सभी के प्रति समान प्रेम को बताया

हरिभूमि न्यूज ▸▸ सिरसा

शमशाबाद पट्टी सिरसा में श्री राधे बिहारी प्रेम मंडल के सान्नध्यि में आयोजित भागवत कथा के अंतिम दिन प्रवचन करते हुए कथावाचिका सुमनांजली जोशी ने बताया कि मां और बालक का दृढ़ सम्बन्ध सूत्र ही वास्तविक सुख को प्रदान करने का मार्ग है। भक्तों द्वारा हृदय से पूजन करने पर दिव्य मां भगवती प्रसन्न हो उन पर दव्यि प्रेम को बरसाती हैं। उन्होंने कथा वाचन करते हुए आध्यात्मिक पहलुओं को श्रद्धालुओं के समक्ष रखा। उन्होंने समझाया कि ब्रह्मज्ञान की सनातन व वैज्ञानिक प्रक्रिया के माध्यम से सर्वोच्च सत्ता का अनुभव किया जा सकता है। यह वैदिक व सनातन पद्धति हमें आत्मिक स्तर पर जागरूक कर भीतर निहित दिव्यता का अनुभव करवाने में सक्षम बनाती है। इस पद्धति का अभ्यास मानव को उत्साहपूर्वक उत्कृष्ट जीवन जीने हेतु निष्क्रिय व नकरात्मकता को समाप्त करता है। कथावाचिका ने समझाया कि हालांकि देवी मां सभी को समान रूप से प्रेम करती है, लेकिन वह उन लोगों की सहायता करती है, जो सदैव प्रयासरत रहते हैं। मां भगवती से वास्तविक प्रेम द्वारा ही मानव उनकी कृपा, आशीर्वाद और दव्यि अनुभवों को प्राप्त कर सकता है। जब हम अपनी धारणाओं का त्याग कर मां की शरण आते हैं, तब मां हमारे भीतर दव्यि अनुभवों को प्रगट करती हैं। उन्होंने लोगों को अज्ञान की नींद से जागृत हो, दव्यि अनुभवों की प्राप्ति की आवश्यकता पर बल दिया। कथा के दौरान माता लक्ष्मी विवाह की कथा का सार भी सुनाया गया, जिसका श्रद्धालुओं ने भरपूर आनंद उठाया।

रोडवेज कर्मचारियों ने लगाए पौधे

सिरसा। सिरसा रोडवेज डिपो पार्क व वर्कशॉप में सांझा मोर्चा की ओर से पौधारोपण अभियान चलाया गया। मोर्चा के नेता पृथ्वी सिंह चाहर, नरेंद्र कुमार गुर्जर, रिछपाल सिंह संधू, मोहन सहारण, जीएम स्टेनो राकेश कुमार, वर्कशॉप इंचार्ज अजीत कुमार, रूप सिंह, ड्यूटी इंचार्ज संतलाल शर्मा, ट्रेनिंग स्कूल इंचार्ज धर्मपाल मंगालिया की अध्यक्षता में 500 पौधे लगाए गए। इस मौके पर पृथ्वी सिंह चाहर ने कहा कि पर्यावरण के बिगड़ते हुए संतुलन को देखते हुए पौधरोपण वर्तमान समय की सबसे बड़ी जरूरत है। उन्होंने कहा किपर्यावरण के संतुलन को बेहतर बनाने के लिए हम सभी को मिलकर प्रयास करने होंगे, ताकि हमारी आने वाली पीढ़ी स्वच्छ वातावरण में सांस ले सके।

रोबोटिक्स लैब से विद्यार्थियों का निखरेगा कौशल

सिरसा। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय मिठड़ी एवं पीएम् श्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक वद्यिालय ओढां में जिला विज्ञान विशेषज्ञ डा. मुकेश कुमार के द्वारा स्कूल स्तर पर विज्ञान विषय की गतिविधियों की समीक्षा के लिए निरीक्षण किया गया। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय मिठड़ी में निरीक्षण के दौरान फिजिस्क, बायोलॉजी तथा साइंस लैब के प्रैक्टिकल सिलेबस, लैब मेंटेनेंस, साइंस लॉग बुक, डस्प्लि बोर्ड, नोटबुक कंपलीशन स्टेटस, साइंस मैथ कट्सि के प्रयोग आदि बिंदुओं पर बारीकी से जांच की। डा. मुकेश कुमार विद्यालय मुखिया जितेन्द्र गर्ग के साथ भौतिक विज्ञान की प्रयोगशाला में देखा कि भौतिक विज्ञान प्रवक्ता सतीश 11वीं कक्षा के विद्यार्थियों को वर्नियर कैलीपरस का प्रयोग करवा रहे थे और उन्होंने कक्षावार स्कूल में विज्ञान से सम्बन्धित करवाई गई गतिविधियों का सारा रिकॉर्ड सुचारू रूप से मेन्टेन किया हुआ था। इसी कड़ी में फेयर नोटबुक तथा प्रैक्टिकल फाइल के अलावा भौतिक प्रवक्ता सतीश द्वारा विज्ञान शिक्षण के क्षेत्र में करवाई जा रही नवाचार गतिविधियों जैसे कि एक्टिविटी फाइल तथा एक विशेष प्रकार के एबीसी ऑफ फिजक्सि चार्ट का भी निरीक्षण किया तथा सभी नवाचार गतिविधियों की बहुत प्रशंसा करते हुए जिला विज्ञान विशेषज्ञ ने इन्हें आगे जारी रखने का संदेश दिया।

अमरनाथ भगत जयराम महिला कालेज को मिला सरकारी महाविद्यालय का दर्जा

- पूर्व मंत्री कमलेश ढांडा ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का जताया आभार

हरिभूमि न्यूज ▸▸ कलायत

कलायत विधानसभा के गांव सेरधा स्थित अमरनाथ भगत जयराम महिला कालेज को सरकारी कॉलेज का दर्जा देने पर पूर्व राज्यमंत्री एवं भाजपा विधायक कमलेश ढांडा ने सीएम नायब सिंह सैनी का आभार व्यक्त किया है। ढांडा ने कहा कि घोषणा के बाद प्रदेश के मानचित्र पर कलायत विस की धरा अब तीन राजकीय महिला कॉलेजों की गवाह बन गई है। इससे विधानसभा क्षेत्र के कोने-कोने में महिला शिक्षा की लौ रोशन होगा और शिक्षित बहू-बेटियां देश-दुनिया में देवभूमि कलायत की शान बढ़ाएंगी। कहा कि पूर्ववर्ती सरकारों में कलायत की गणना कभी शिक्षा के क्षेत्र में पिछड़े इलाके मेवात के साथ होती रही है। भाजपा की केंद्र एवं राज्य सरकार ने शिक्षा के पिछड़ेपन को गतिशीलता से दूर करने का इतिहास लिखा है।

सेरधा गांव से गहरा नाता

कमलेश ढांडा ने कहा कि सेरधा गांव से उनका पुराना और पारिवारिक नाता है। इसी माटी से मेरे स्वर्गीय पति चौधरी नरसिंह ढांडा को वर्ष 1982 में पाई विधानसभा से लड़े गए पहले चुनाव में बड़ा समर्थन मिला था।

कर्मचारी संघ ने विधायक को सौंपा ज्ञापन

जींद। अनुबंधित विद्युत कर्मचारी संघ ने शनिवार को डिवीजन अध्यक्ष राकेश शर्मा व कर्मपाल सिद्ध की अध्यक्षता में कर्मचारियों ने अपनी मांगों को लेकर नरवाना हलका से विधायक रामनिवास सूरजखेड़ा को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। नरवाना डिवीजन में प्रदेश कार्यकारिणी से प्रदेश सचिव सुभाष ने बताया कि सरकार को विभिन्न माध्यमों से ज्ञापन भेजे गए हैं लेकिन सरकार के कानों पर जूं तक नहीं रहेगी है। यदि सरकार वक्त रहते विद्युत विभाग के कच्चे कर्मचारियों की मांगों का समाधान कर लेती है तो ठीक है देरी के लिए सरकार जिम्मेदार होगी। 29 जुलाई को करनाल 12 सेक्टर में समस्त हरियाणा प्रदेश के विद्युत विभाग के कच्चे कर्मचारी भारतीय मजदूर संघ के नेतृत्व में शमिल होंगे और अनश्चिति काल के लिए करनाल में धरना प्रदर्शन करके इस सोई हुई व गूंगी बहरी सरकार को जगाने का काम करेंगे।

आरपीएस स्कूल के अंशुल ने सीए फाइनल और नौ विद्यार्थियों ने सीए की परीक्षा उत्तीर्ण

- देश की उन्नति में सीए विद्यार्थियों का महत्त्वपूर्ण योगदान : चेयरपर्सन डॉ. पवित्रा राव

हरिभूमि न्यूज ▸▸ महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। सीए की परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

इंस्टीट्यूट ऑफ चाट्र्ड अकाउटेंटस ऑफ इण्डिया द्वारा सीए की परीक्षा का परिणाम घोषित किया, जिसमें आरपीएस विद्यालय महेन्द्रगढ़ के अंशुल ने सीए फाईनल कोर्स कम्पलिट किया एवं इसके साथ-साथ आरपीएस स्कूल के 9 विद्यार्थियों ने परीक्षा परिणाम में सफलता अर्जित करते हुए नया कीर्तिमान स्थापित किया। इस अपार खुशी में आरपीएस विद्यालय में अभिभावक, शिक्षक व विद्यार्थी एक-दूसरे को बधाई देकर खुशी का इजहार करते नजर आए।

इस खुशी के मौके पर आरपीएस संस्था की चेयरपर्सन डॉ. पवित्रा राव व संस्था के सीईओ मनीष राव, विद्यालय प्रिंसिपल डॉ. किशोर तिवारी एवं पीजीटी विंग हैड देवेन्द्र पुनिया ने बधाई देते हुए कहा कि तकनीकी व चिकित्सा क्षेत्र में इतिहास रचने के साथ-साथ आज विद्यार्थी संस्था में वाणिज्य में भी विभिन्न परीक्षाओं में इतिहास रच रहे हैं। वाणिज्य के क्षेत्र में सीए की परीक्षा देश की प्रतिष्ठित परीक्षाओं में शुमार है। छात्रा सुरभी, प्रिया, दिपांशु, उदय प्रताप सिंह, अंजली, मोहित अग्रवाल, भविष्य, तरूण कुमार एवं कृष गोयल ने सफलता अर्जित कर अभिभावकों, शिक्षकों का नाम रोशन किया। आरपीएस विद्यालय आज अभिभावकों के सपनों को साकार करने के लिए दृढ संकल्पित है। देश की सबसे बड़ी परीक्षा सीए के परीक्षा परिणाम में 9 विद्यार्थियों का एक ही संस्था से चयन होना अपने आप में बहुत बड़ी बात है। विद्यालय के उप-प्रधानाचार्य दिनेश कुमार, डीन एलएन गौड़, कॉमर्स विभागाध्यक्ष शिव कौशिक, विंग हैड अमित कुमार, जिले सिंह, प्रितिका, अनिता अहलावत, विजेता कौशिक, मुकेश यादव, नीरज भारद्वाज एवं शमशेर सिंह ने सफल विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

धर्मशाला प्रधान समेत दो पर हमला, चार गिरफ्तार

जींद। सीआरएसयू गेट के सामने पांचाल धर्मशाला पिंडारा के प्रधान तथा उसके साथी पर कार सवार लोगों ने हमला कर घायल कर दिया। शहर थाना पुलिस ने घायल प्रधान की शिकायत पर पांच लोगों को नामजद कर कुछ अन्य खिलाफ विभन्नि भारतीय न्याय संहिता के तहत मामला दर्ज कर चार आरोपितों को गिरफ्तार किया है। पुलिस आरोपितों से पूछताछ कर रही है। पांडू पिंडारा पांचाल धर्मशाला के प्रधान गांव दालमवाला निवासी बंटी ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह अपने दोस्त जितेंद्र के साथ शहर में था। उसी दौरान उसके फोन पर दुर्गा कालोनी निवासी सुशील की व्हाट्सअप कॉल आई और मिलने की बात कही। जिस पर उसने कुछ समय बाद नई अनाज मंडी आने की बात कही। जब वह गाड़ी से सीआरएसयू के गेट के सामने पहुंचा तो तीन गाड़ियों ने उसकी गाड़ी को घेर लिया। उसमें से उतरे सुशील व उसके साथियों ने दोनों पर डंडों तथा बिंडों से हमला कर दिया। जिसमें दोनों को चोटें आई। सीआरएसयू गेट सामने झगड़ा होते देख पुलिस मौके पर पहुंच गई और कुछ लोगो को काबू कर लिया।

छात्रों में नेतृत्व, सहयोग जैसे गुणों को विकसित करता खेल : नारंग

हरिभूमि न्यूज ▸▸ हिसार

खेल के अवसर पर उपस्थित खिलाड़ी व अधिकारी।

लाला लाजपत राय पशु चिकत्सिा एवं पशु वज्ञिान विश्वविद्यालय में वार्षिक खेल आयोजन लुवास कबड्डी लीग की शुरुआत हुई। गिरी सेंटर के मल्टीपर्पज हॉल में उद्घाटन समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन छात्र कल्याण निदेशालय की ओर से किया गया। विश्वविद्यालय में शनिवार को शुरू हुए खेल के उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि पशु चिकित्सा विज्ञान महाविद्यालय के अधिष्ठता डॉ. गुलशन नारंग ने कहा कि खेल विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। खेल छात्रों में नेतृत्व, अनुशासन, सहयोग जैसे गुणों को विकसित करता है और मानसिक शक्ति का निर्माण करता है। उन्होंने आगे कहा कि छात्रों को दैनिक दिनचर्या से शाम का कुछ समय किसी भी खेल गतिविधि के लिए अवश्य निकालना चाहिए। समस्त बीवी एससी छात्रों में से एक टीम और समस्त वीएलडीडी छात्रों की एक टीम के बीच एक शो मैच का आयोजन किया गया। इसमें वीएलडीडी छात्रों की टीम ने दो अंकों से जीत हासिल की। इस पूरे आयोजन की व्यवस्थाएं कबड्डी क्लब, लुवास के अध्यक्ष डॉ.रवि दत्त तथा अन्य सदस्यों की देखरेख में की जा रही हैं। आयोजन में कुल पांच टीमें भाग लेंगी। इस अवसर पर डॉ. देवेन्द्र बिढान, एडीएसडब्ल्यू, खेल एवं विश्वविद्यालय के खेल कर्मचारी व विद्यार्थी उपस्थित रहे।

भाजपा ने विकास के मामले में किया भेदभाव : सतबीर

रतिया। गांवों में पदयात्रा के दौरान ग्रामीणों को कांग्रेस की नीतियों से अवगत करवाते मास्टर सतबीर भूथन।

हरिभूमि न्यूज ▸▸ रतिया

- पदयात्रा को गांवों में लोगों का भारी जनसमर्थन मिला
- डोर टू डोर जाकर ग्रामीणों को कांग्रेस की नीतियों से अवगत करवाया

रतिया विधानसभा क्षेत्र में वरिष्ठ कांग्रेस नेता मास्टर सतबीर भूथन की अगुवाई में शुरू की गई पदयात्रा को गांवों में लोगों का भारी जनसमर्थन मिल रहा है। पदयात्रा के दौरान कांग्रेस नेता आज गांव ब्राह्मणवाला, रतनगढ़ और मिराना में पहुंचे और डोर टू डोर जाकर ग्रामीणों को कांग्रेस की नीतियों से अवगत करवाया और लोकसभा चुनावों में सिरसा से कुमारी सैलजा को रिकार्ड वोटों से जीत दिलवाने के लिए उनका आभार जताया। ग्रामीणों को संबोधित करते हुए वरिष्ठ कांग्रेस नेता एवं रतिया विधानसभा से कांग्रेस टिकट के प्रमुख दावेदार मास्टर सतबीर भूथन ने कहा कि उनका राजनीति में आने का एकमात्र मकसद क्षेत्र के लोगों की सेवा करना और विकास के मामले में रतिया को प्रदेशभर में पहले नंबर पर लाना है। उन्होंने कहा कि मौजूदा भाजपा सरकार के शासनकाल में विकास के मामले में रतिया क्षेत्र से भेदभाव किया गया। यहां के लोगों को न तो बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मिल रही है और न ही शिक्षा। सड़कों का बुरा हाल है। थोड़ी सी बरसात होते ही गांव व शहर की गलियां व सड़कें पानी में डूब जाती है। लोगों की समस्याओं का समाधान करने की बजाय भाजपा के नेता लोगों को बरगलाने में लगे है। भाजपा सरकार से दु:खी जनता लोकसभा चुनावों में अपने इरादे साफ कर चुकी है। विधानसभा चुनावों में भी प्रदेश की जागरूक जनता कांग्रेस की जनकल्याणकारी नीतियों पर मोहर लगाने और भाजपा सरकार को उखाड़ फैंकने का काम करेगी। रतिया सहित प्रदेश की सभी 90 विधानसभा सीटों पर कांग्रेस उम्मीदवार भारी वोटों से जीत दर्ज करेंगे और कुमारी सैलजा के नेतृत्व में अगली सरकार कांग्रेस की होगी।

पेयजल सप्लाई रोकी, पंचायत ने शुरू कराया सफाई कार्य

मताना जलघर में मरी हजारों मछलियां

हरिभूमि न्यूज ▸▸ फतेहाबाद

फतेहाबाद। गांव मताना का जलघर।

शहर के साथ लगते गांव मताना के जलघर में हजारों की संख्या में मछलियां मर गई। मछलियां मरने से पूरे जलघर का पानी दूषित हो गया और आसपास के इलाके में दुर्गंध फैल गई। इसके बाद पंचायत द्वारा एहतियात के तौर पर गांव में पेयजल सप्लाई बंद करवा दी गई। मनरेगा मजदूरों व ग्रामीणों की सहायता से मछलियों को बाहर निकलवाकर दफना दिया। ग्रामीण अब पेयजल संकट का सामना कर रहे हैं। मताना के सरपंच एडवोकेट दलबीर सिंह ने बताया कि दो तीन दिन से जलघर में नहरी पानी की सप्लाई रुक गई थी, जिस कारण पानी का स्तर कम होता गया। उन्होंने बताया कि अब जब जलस्तर काफी कम हो गया तो पानी की कमी के चलते तथा धूप लगने से यहां पल रही मछलियां मरने लगीं। एक-दो दिनों से जब यहां दुर्गंध आना शुरू हुई तो लोगों ने उन्हें सूचना दी। जब वे मौके पर पहुंचे तो देखा कि तलहटी में हजारों की संख्या में मछलियां मरी पड़ी थी। यह मछलियां पानी को साफ रखने और जलघर की काई खाने के लिए पाली गई थी। मछलियां मरने से पूरा पानी दूषित हो गया और महामारी न फैल जाए, इसलिए पानी सप्लाई फिल्हाल रोक दी है। अभी ग्रामीण अपने स्तर पर पानी लाकर गुजारा कर रहे हैं। प्रशासन को अब डिग्गी की पूरी तरह खाली करवाकर इसकी सफाई करवाने की मांग रखी है, ताकि कोई महामारी न पनपे। मरी मछलियों को निकलवाकर दबवा दिया गया है।

खबर संक्षेप

पुलिस ने चोरी के आरोपी को गिरफ्तार किया

फतेहाबाद। जिला पुलिस वाहन चोरों की धरपकड़ में जुटी है। इसी कड़ी में थाना शहर रतिया पुलिस की टीम ने एक युवक को गिरफ्तार कर वाहन चोरी की दो घटनाओं को सुलझाने में कामयाबी हासिल की है। पकड़े गए युवक की पहचान गुरबचन सिंह उर्फ बीर पुत्र अमरीक सिंह निवासी अलालवास के रूप में हुई है। पुलिस पकड़े गए युवक से पूछताछ कर रही है।

अलग-अलग स्थानों से 5 युवतियां लापता

फतेहाबाद। जिले में अलग-अलग स्थानों से 5 युवतियों के लापता होने का समाचार है। पुलिस को दी शिकायत में गांव बनावाली निवासी एक व्यक्ति ने कहा है कि गत दिवस उसके माता-पिता किसी काम से भट्ठू आए हुए थे और उसकी 28 वर्षीय पत्नी घर पर अकेली थी। दोपहर को उसे पता चला कि उसकी पत्नी घर से कहीं चली गई है और वापस नहीं लौटी है। इस पर उन्होंने उसकी काफी जगह तलाश की लेकिन जब उसका कहीं कुछ पता नहीं चला तो उसने इस बारे पुलिस को शिकायत दर्ज करवाई।

20 जुलाई से शुरू होगा चातुर्मास

रतिया। रतिया में वर्ष 2024 का चातुर्मास करने के लिए वरिष्ठ जैन संत प्रकाश मुनि जी महाराज के सुशिष्य विजय मुनि जी महाराज एवं हितेश मुनि जी महाराज ठाणे 2 चातुर्मास करने के लिए रतिया अनाज मंडी रोड स्थित जैन स्थानक में पहुंच गए हैं।

डिंग के सरकारी स्कूल में लगाए पौधे

डिंग। राजकीय महाविद्यालय डिंग मंडी में प्राचार्या डॉ. मधु कुमारी की अध्यक्षता में वन महोत्सव के उपलक्ष्य मे एक पौधा मां के नाम के तहत महाविद्यालय परिसर में पौधारोपण किया गया। इस दौरान महाविद्यालय के स्टॉप सदस्यों द्वारा विभन्नि प्रकार के पौधे रोपित किए गए। प्राचार्या ने बताया कि जैसे-जैसे आबादी बढ़ रही है तो हमारे जीवन में हम सभी को पेड़ पौधे लगाने भी आवश्यक है, इससे जीवन का आधार मजबूत होता है।

आयुष विभाग ने धांगड़ में वितरित किए औषधीय पौधे

एक पेड़ मां के नाम अभियान से जुड़कर पर्यावरण को बचाएं

पीएम नरेन्द्र मोदी के संकल्प का अनुसरण करते हुए ग्रामीणों को पर्यावरण बचाने की इस मुहिम से जुड़ने का आह्वान किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

आयुष विभाग द्वारा 'एक पेड़ मां के नाम' वृक्षारोपण अभियान के तहत गांव धांगड़ स्थित आयुष्मान आरोग्य मंदिर व आयुष ग्राम में कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

संरक्षण की मुहिम

आयुष महानिदेशक पंचकूला व जिला आयुर्वेदिक अधिकारी डॉ. रितु भाटिया के मार्गदर्शन में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यअतिथि के तौर पर आयुर्वेदिक चिकित्सा अधिकारी डॉ. भारती चौहान ने भाग लिया और पीएम नरेन्द्र मोदी के संकल्प का अनुसरण करते हुए ग्रामीणों को पर्यावरण बचाने की इस मुहिम से जुड़ने का आह्वान किया।

ग्रामीणों को औषधीय पौधे वितरित करते हुए डॉ. भारती चौहान ने कहा कि एक कहावत है, अगर हम पेड़ों की देखभाल नहीं करेंगे, तो हम अपनी देखभाल नहीं कर पाएंगे। उन्होंने कहा कि पेड़ों के बिना हमारी दुनिया सूखे, बेजान रेगिस्तान की तरह होगी।

पृथ्वी पर हर चीज जीवित रहने के लिए एक-दूसरे पर निर्भर करती है, इसलिए हमें सब कुछ संतुलन में रखने के लिए पेड़ों की देखभाल करनी होगी।

फतेहाबाद। गांव धांगड़ में ग्रामीणों को औषधीय पौधे वितरित करते आयुर्वेदिक चिकित्सा अधिकारी डॉ. भारती चौहान।

लोगों से स्वस्थ रहने का किया आह्वान

आयुर्वेदिक फार्मासिस्ट सीमा देवी ने भी ग्रामीणों को स्वस्थ दिनचर्या के बारे में बताया। आयुष योग सहायकों जन्नत, शारदा देवी व सोनू देवी ने योग अभ्यास से नित्य प्रति खुद को स्वस्थ रखने के आह्वान किया। ग्रामीणों को जागरूक करते हुए उन्होंने कहा कि मनुष्य के स्वच्छ जीवन जीने के लिए पेड़ों की बहुत आवश्यकता होती है। प्रकृति के साथ निकटता हमारे मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण हैं। विशेष रूप से वुडलैंड क्षेत्रों में समय बिताने से रक्तचाप को स्थिर करने, तनाव के स्तर को कम करने और शांति की भावना पैदा करने में मदद मिली है।

अपराधों से व्यापारियों में खौफ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

डॉ. विरेन्द्र सिवाच

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा के नेतृत्व में हुए सफल कार्यकर्ता सम्मेलन के बाद कार्यकर्ताओं में काफी उत्साह है। इसी उत्साह के साथ आने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर वरिष्ठ कांग्रेसी नेता डॉ. वीरेंद्र सिंह सिवाच के नेतृत्व में कार्यकर्ता जोर-शोर से तैयारियों में जुट गए है।

इसी कड़ी में जनसंपर्क अभियान को लेकर गांव सूलीखेड़ा पहुंचे वरिष्ठ कांग्रेसी नेता डॉ वीरेंद्र सिंह सिवाच का फूल मालाओं से स्वागत किया गया और लोगों ने हर कठिन घड़ी में साथ देने का भरोसा दिलाया। डॉ. सिवाच ने कहा कि पिछले 33 वर्षों से जनता की सेवा कर रहे हैं। अब आप सबका दायित्व बनता है कि हमारा पूरा सहयोग करें। डॉ. सिवाच ने गांव सूलीखेड़ा के राजकीय माध्यमिक विद्यालय का मामला उठाते हुए कहा कि यहां स्कूल केवल 8वीं कक्षा तक है जिससे गांव के विद्यार्थियों के साथ परिजनों को भी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। ग्रामीणों की इस समस्या को लेकर सरकार व विधायक दोनों ही मौन है। उन्होंने कहा कि कहा कि भाजपा के शासन मे हर ओर समस्याओं के अंबार हैं। हर परिवार प्रॉपर्टी आईडी के जाल में फंसा है।

आज दुकानदार, व्यापारी रंगदारी मांगने की घटनाओं से खौफ में हैं। छोटे दुकानदार का व्यापार चौपट हो गया है।भाजपा के 10 साल के कार्यकाल के दौरान लिए गए जन विरोधी फैसले ही भाजपा को ले डूबेगें। डॉ. सिवाच ने कहा कि लोग अब भूपेंद्र सिंह हुड्डा को अगला मुख्यमंत्री के रूप में देख रहे हैं और अब केवल ढाई महीने की बात है और लोग सरकार को बदलने का पूरा मन बना चुके हैं।

शहरों की तर्ज पर गांवों के विकास के लिए भाजपा सरकार कटिबद्ध : बैनीवाल

फतेहाबाद। मुख्यमंत्री नायब सैनी ने हरियाणा के विकास के लिए 2400 करोड़ रुपए जारी करने की घोषणा की है। गांव के विकास के लिए 900 करोड़ रुपए और शहरों के विकास के लिए 900 करोड़ रुपए खर्च होंगे। इससे प्रदेश का ग्रामीण विकास चौगुनी गति से होगा। यह बात भाजपा पशुपालन एवं डेयरी प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक एवं फतेहाबाद विधानसभा के वरिष्ठ भाजपा नेता राजपाल बैनीवाल ने गांवों के विकास हेतु दिल खोलकर घोषणा करने पर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का आभार प्रकट करते हुए कही। उन्होंने कहा कि सीएम नायब सैनी की नेतृत्व वाली सरकार ने 4 जून 2019 से भूतपूर्व पंचायती राज के प्रतिनिधियों को पेंशन देने का फैसला किया। पहले यह पेंशन 1000 रुपए थी और अब 1500 दी जाएगी, वहीं सरपंचों का मानदेय भी दुगना से अधिक बढाने का फैसला लिया है। राजपाल बैनीवाल ने कहा कि सरकार के उक्त फैसलों से ग्राम पंचायतों व सरपंचों में खुशी की लहर है। उन्होंने कहा कि प्रदेश की भाजपा सरकार शहरों की तर्ज पर गांवों का विकास करवाने के लिए कटिबद्ध है। बैनीवाल ने कहा कि प्रदेश की उन्नति में भाजपा सरकार का मूल्य योगदान है। आने वाले विधानसभा चुनावों में भी भाजपा तीसरी बार बहुमत के साथ सरकार बनाकर हरियाणा की उन्नति को आगे लेकर जाएगी।

दस साल से भगोड़ा आरोपित गिरफ्तार

फतेहाबाद। फतेहाबाद पुलिस की टीम ने 10 साल से अदालत से भगौड़ा चल रहे आरोपी को गिरफ्तार किया है। पकड़े गये आरोपी की पहचान लखन पुत्र राजेन्द्र कुमार उर्फ जिन्दी निवासी मंडी फिरोजपुर के रूप में हुई है। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि आरोपी लखन 10 वर्षों से एक मामले में थाना शहर फतेहाबाद से भगौड़ा चल रहा था। फतेहाबाद की एवीटी स्टाफ की टीम ने प्रभारी उपनिरीक्षक अशोक कुमार के नेतृत्व में आरोपी के बारे में अहम जानकारी जुटाते हुए उसके खिलाफ साक्ष्य एकत्रित कर काबू किया।

डबवाली में भाजपा नेताओं ने विस चुनावों को लेकर किया मंथन

- कार्यकर्ताओं से सरकार की नीतियों का प्रचार करने का आह्वान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| डबवाली

भारतीय जनता पार्टी डबवाली मंडल की बैठक मंडल अध्यक्ष सतीश गर्ग की अध्यक्षता में स्थानीय अग्रवाल धर्मशाला में संपन्न हुई। सामाजिक सुरक्षा, गरीब, किसान, महिला एवं युवा कल्याण के क्षेत्र में देश और प्रदेश सरकार द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना करते हुए सर्वसम्मति से इस आशय का प्रस्ताव पारित किया गया। बैठक में उपस्थित कार्यकर्ताओं ने संकल्प लिया कि वो प्रदेश में तीसरी बार भाजपा सरकार बनाने में अपनी सक्रिय भूमिका अदा करेंगे। बैठक को संबोधित करते हुए हरियाणा मार्केटिंग बोर्ड के अध्यक्ष व पूर्व जिलाध्यक्ष आदित्य चौटाला ने बूथ जीता-चुनाव जीता की चर्चा करते हुए चुनावों में बूथ का महत्व कार्यकर्ताओं को समझाया। उन्होंने कहा कि हम अपने बूथ पर जितनी मेहनत करेंगे जीत की संभावना उतनी ही बढ़ेगी।

प्रदेश में तीसरी बार बनेगी भाजपा सरकार

हरियाणा में तीसरी बार भाजपा की सरकार बनने जा रही है और उसमें डबवाली विधानसभा सीट जीतकर हमें भाजपा की झोली में डालनी है। भाजपा के जिला महामंत्री सतीश जग्गा ने कहा कि मजबूत संगठन से मजबूत सरकारें बनती हैं लेकिन सरकार से कभी संगठन नहीं बनता। इसलिए डबवाली मण्डल में संगठन को हमें मिलजुल कर ओर मजबूत करना है ताकि सरकार में हमारी भागीदारी सुनिश्चिति हो सके। जग्गा ने कार्यकर्ताओं से कहा कि डबवाली इलाका में देश और प्रदेश की डबल इंजन सरकार ने दस साल में अभूतपूर्व विकास कार्य किए हैं, चुनावों से पहले उन कार्यों को जन-जन तक पहुंचाने की जरूरत है। इस अवसर पर बलदेव सिंह मांगेआना, विकास कालुआना, महनद्दि बांसल, अशोक सेतिया, कृष्ण कामरा, निशा ग्रोवर, अंजु बाला, संदीप कौशल, सतपाल महाशा, गुरप्रीत कुलार, अशोक सेतिया, शाम लाल कुक्कड़, पार्षद मनीष मोंगा, पार्षद हरजिंदर सिंह, अश्विनी बांसल, मुकेश बांसल, सुरेंद्र बर्तन, कपिल गोदारा, अमित गुप्ता, कुलदीप सिंह सहित कई कार्यकर्ता मौजूद थे।

प्राथमिक शिक्षक संघ ने बीईओ को सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

सिरसा। बीईओ को मांग पत्र सौंपते शिक्षक संघ के पदाधिकारी।

राजकीय प्राथमिक शिक्षक संघ के सदस्यों ने अपनी मांगों को लेकर मुख्यमंत्री के नाम खंड शिक्षा अधिकारी को ज्ञापन सौंपा। खंड प्रधान सुधीर सुथार ने बताया कि 2016 में हरियाणा सरकार ने ऑनलाइन ट्रांसफर किये थे। स्थानांतरण पालिसी के अनुसार प्रतिवर्ष सामान्य स्थानांतरण प्रक्रिया चलनी थी, जबकि विभाग ने अभी तक प्राथमिक शिक्षकों के लिए 7 साल से कोई स्थानांतरण प्रक्रिया नहीं चलाई। अतः सरकार अन्तःजिला स्थानांतरण प्रक्रिया आरंभ करके शीघ्र प्राथमिक अध्यापकों के सामान्य तबादले किए जाएं। हाल ही में विभाग द्वारा जारी सरप्लस अध्यापकों को प्रतिनियुक्ति पर समायोजित करने की आड़ में विभाग द्वारा पूरे राज्य में 337 वद्यिालयों को बंद किया जा रहा है, जोकि ग्रामीणांचल के लोगों व गरीब तबके के लोगों के बच्चों के लिए शिक्षा के अधिकार का हनन है। अतः विभाग स्कूल मर्जिंग बंद करके ऑनलाइन व ऑफलाइन छात्र संख्या दोनों को मिलाकर कुल छात्र संख्या के अनुसार अध्यापक उपलब्ध करवाए जाएं। सुथार ने बताया कि शिक्षा विभाग द्वारा जल्द से जल्द सभी विषयों में पीआरटी से टीजीटी की पदोन्नतियां करके ट्रांसफर ड्राइव चलाया जाए, जिसमें दव्यिांग व महिला शिक्षिकाओं को वरियता देकर उन्हें अपने गृह जिले में जाने का अवसर मिले। छात्र-शिक्षक अनुपात 25:1 कर सामान्य तबादले शुरू किए जाएं, जोकि पिछले 8 वर्षों से नहीं हुए हैं। दाखिला प्रक्रिया सरल बनाई जाए, दाखिले में परिवार पहचान पत्र की अनिवार्यता को खत्म किया जाए। अध्यापकों को गैर शैक्षणिक कार्यों से दूर रखा जाए। इस अवसर पर राज्य कार्यकारिणी सदस्य तिलकराज भारद्वाज, जिलाकोषाध्यक्ष शैलेंद्र ढल्लिों, जिला उपप्रधान सीताराम स्वामी, खंड महासचिव राजेश बैनीवाल, खंड कोषाध्यक्ष हरपाल सिंह, खंड उपप्रधान जयपाल पचार, खंड संरक्षक महावीर ढाका, रायसिंह, धर्मपाल, कुलदीप, विजय, सुभाष, मुकेश, कपिल, सुनील, सतपाल, महावीर सहित अन्य सदस्य उपस्थित थे।

सिरसा : स्वास्थ्य कर्मचारी यूनियन माधोसिंघाना की कार्यकारिणी गठित

सिरसा। सर्व कर्मचारी संघ से संबंधित स्वास्थ्य ठेका कर्मचारी यूनियन माधोसिंघाना ने अस्पताल में एक बैठक आयोजित की। बैठक की अध्यक्षता माधोसिंघाना स्वास्थ्य कर्मचारी युनियन के प्रधान राजवीर ने की। संघ के नेता राजेश भाकर एवं सुमेर सिंह के देखरेख में अस्पताल की कार्यकारिणी के चुनाव करवाए गए। जिसमें राजवीर को सर्वसम्मति से प्रधान, अशोक कुमार को सचिव एवं रामनिवास को कोषाध्यक्ष चुना गया। बिजली की केन्द्रीय कमेटी के सदस्य एवं सर्व कर्मचारी संघ के नेता राजेश भाकर ने सम्बोधित करते हुए कहा कि सर्व कर्मचारी संघ द्वारा कर्मचारियों की लम्बित मांगों को लेकर आंदोलन लगातार जारी किया हुआ है, जिसके पहले चरण में 16 जुलाई को कर्मचारी वर्ग सरकार के खिलाफ सडकों पर लामबंद होकर जिला मुख्यालय पर विरोध जाहिर कर सरकार को मांग पत्र सौंपेगा। यह आंदोलन अलग अलग चरणों में जारी रहेगा। भाजपा सरकार के सत्ता में आने से पहले अपने घोषणा पत्र में कर्मचारी, मजदूर, किसान एवं मेहनतकश वर्ग के अनेक लुभावन वायदे किए, जोकि सरकार का अब कार्यकाल समाप्ती की ओर है, इसलिए सरकार कर्मचारी वर्ग को लेकर अति गंभीर नहीं है। सरकार द्वारा बार-बार कर्मचारियों के साथ आंदोलन के दौरान किए समझौते भी लागू ना करते हुए कुठाराघात जैसा रूख अपनाकर बार-बार वादाखिलाफी की।

कांग्रेस ने सरकार के खिलाफ जारी की 15 सवालों की चार्जशीट

डबवाली। हरियाणा विधानसभा की लोक लेखा समिति के अध्यक्ष व डबवाली के विधायक अमित सिहाग ने कहा कि कांग्रेस की तरफ से प्रदेश की बीजेपी सरकार के खिलाफ 15 सवालों की चार्जशीट जारी की गई है। इस चार्जशीट और कांग्रेस की घोषणाओं को जनता तक पहुंचाने के लिए पार्टी ने ह्यहरियाणा मांगे हिसाबह्व नाम से नए अभियान की शुरुआत की है। अमित सिहाग ने कहा कि अब तक कांग्रेस ने भारत जोड़ो यात्रा, विपक्ष आपके समक्ष, घर-घर कांग्रेस, हाथ से हाथ जोड़ो अभियान, जन मिलन समारोह और धन्यवादी कार्यकर्ता सम्मेलन समेत जितने भी कार्यक्रम किए हैं, उन सभी को जनता का जबरदस्त समर्थन हासिल हुआ है। इसी कड़ी में अब ह्यहरियाणा मांगे हिसाबह्व एक नई शुरुआत है। इसके जरिए ना सर्फि बीजेपी की विफलताओं और कांग्रेस की घोषणाओं को जनता तक पहुंचाना है, बल्कि पार्टी के मेनिफेस्टो के लिए जनता से सुझावों को भी एकत्र करना है। इस अभियान को अमलीजामा पहनाने का रोडमैप तैयार करने के लिए 14 तारीख को सोनीपत में पार्टी की महत्वपूर्ण बैठक बुलाई गई है।

कोर्ट के आदेशों को भी सरकार कर रही है दरकिनार: गुप्ता

सिरसा। हरियाणा स्टेट पेंशनर समाज जिला सिरसा इकाई की बैठक सुरखाब पैलेस में आयोजित की गई, जिसकी अध्यक्षता सेवानिवृत्त डीपीसी सहीराम चाहर ने की। पेंशनर समाज के जिला महासचिव अजीत सिंह रंगा ने बताया कि बैठक में इकाई के अध्यक्ष राजेंद्र मोहन गुप्ता ने अपनी कार्यकारिणी का वस्तिार करते हुए कृष्णा कुमारी को जिला का वरिष्ठ उप प्रधान नियुक्त किया है। इस अवसर पर इकाई के चेयरमैन गुरदीप सिंह सैनी ने कहा कि प्रदेश के रिटायर्ड कर्मचारी गत 10 वर्षों से अपनी मांगों व समस्याओं के बारे में प्रदेश सरकार को अनेक बार ज्ञापन दे चुके हैं, परन्तु भाजपा सरकार के कानों पर जूं तक नहीं रेंग रही। उन्होंने कहा कि रिटायर्ड कर्मचारियों की मांगों में सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट द्वारा कर्मचारियों के बारे में दिए गए नर्णियों का सामान्यीकरण करके सभी पर लागू करने की मांग भी शामिल है, परन्तु सरकार ऐसा नहीं कर रही है और सभी संबंधित रिटायर्ड कर्मचारियों को वृद्ध अवस्था में कोर्टों में जाने के लिए मजबूर कर रही है। पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट ने हाल में नर्णिय दिया है कि जिन कर्मचारियों को रिटायर हुए 10 वर्ष हो चुके हैं और जन्होंने अपनी पेंशन कम्यूट करवाई थी, उसकी रिकवरी 15 की बजाय 10 वर्ष तक ही की जाए। इस सम्बन्ध में दर्जनों रिटों में सैकड़ों रिटायर्ड कर्मचारियों की 10 वर्ष के बाद की रिकवरी पर स्टे आर्डर हाईकोर्ट जारी चुका है। इस अवसर पर सुशील बागड़ी, महावीर शर्मा, रघुवीर सिंगला, ललित चुग, कृष्णा कुमारी, पाल सिंह, जगदीश प्रसाद, मदन लाल नारंग, सुरेश कुमार गोयल उपस्थित थे।

गुरु ज्ञान रूपी दीपक से अज्ञानता के अंधेरे को दूर करता है

सिरसा। गुरु अज्ञानता रूपी अंधकार को ज्ञान रूपी दीप द्वारा प्रकाश की तरफ ले जा कर शष्यि के जीवन में छाए अज्ञानता के अंधेरे को दूर भगाता है और उसमें विवेक जागृत करता है क्योंकि ईश्वर की प्राप्ति के लिए धन बल पद की नहीं बल्कि परमात्मा के प्रति समर्पण भाव की आवश्यकता है। यह बात श्री लक्ष्मी नारायण मन्दिर हुडा में आयोजित गुरु पूजा कार्यक्रम महामण्डलेश्वर स्वामी आत्मानंद पुरी महाराज ने कही। उन्होंने कहा कि हम भगवान से तभी जुड़ सकते हैं जब हमारा अंतर्मन विशुद्ध और नष्किपट होगा। महाभारत युद्ध के बाद पांडवों के मन में युद्ध में विजय के कारण आये हुए अहंकार का दृष्टान्त सुनाते हुए स्वामी जी ने कहा कि केवल भगवान कृष्ण व उनके सुदर्शन चक्र के कारण पाण्डव युद्ध में विजयी रहे. इसलिए ना तो मनुष्य को अहंकार करना चाहिए ना ही मोह में फंसना चाहिए क्योंकि मोह कामना को जन्म देता है और कामनाओं में फंस कर मनुष्य भगवान से दूर हो जाता है। इस लिए मनुष्य को अहंकार, मोह, कामना, राग, द्वेष आदि विकारों से दूर रहते हुए गुरु द्वारा दिखाए मार्ग पर चलने का प्रयास करना चाहिए।

शिक्षा का मतलब सिर्फ किताबी ज्ञान नहीं : कर्ण

हरिभूमि न्यूज. सिरसा।

जवाहर नवोदय वद्यिालय ओढां में बीस दिवसीय नाट्य कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस दौरान कार्यशाला के मुख्य प्रशिक्षक कर्ण लढा ने कार्यशाला के सभी वद्यिार्थियों से उनका परिचय लिया और अपने वक्तव्य के माध्यम से कहा कि शिक्षा का मतलब सर्फि किताबी ज्ञान नहीं होता, बल्कि सर्वांगीण विकास करना होता है। वद्यिार्थी जीवन में हमें शिक्षा के साथ-साथ कला से जुड?र अपना सर्वांगीण विकास करना है। हरियाणा कला परिषद, हिसार मण्डल ने ये दस दिवसीय कार्यशाला का आयोजन आपके वद्यिालय में किया है तो आप सब इसका भरपूर लाभ उठाएं और आशा है, आप सब वद्यिार्थी इन बीस दिनों में नाट्य कला को सीखेंगे। नाट्य कला एक इंसान के व्यक्तत्वि को निखारने में विशेष यौगदान करता है। उसके बाद मुख्य प्रशिक्षक कर्ण लढा ने हरियाणा कला परिषद के निदेशक नागेन्द्र शर्मा और अतिरक्ति निदेशक राम निवास शर्मा करते हुए कहा कि इस दस दिनों की कार्यशाला मैं प्रयास करूंगा कि इन दस दिनों में रंगमंच के मूल बन्दिुओं साथ-साथ, जिंदगी को कैसे जीना है को भी सिखा सकूं और कहा कि कार्यशाला के अंत एक विशेष नाट्य प्रस्तुति तैयार की जाएगी, जिसे इस कार्यशाला के अंतिम दिन जवाहर नवोदय वद्यिालय, ओढां के समस्त प्रशासन व वद्यिार्थियों के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा। यह एक ऐसी प्रस्तुति रहेगी, जो प्रत्येक वद्यिार्थी में कला के प्रति उत्साह की भावना को जागृत करेगी। कार्यशाला के संयोजक मुकेश राणा ने हरियाणा कला परिषद के निदेशक नागेन्द्र शर्मा और अतिरक्ति निदेशक राम निवास शर्मा मौजूद रहे।

बच्चों ने प्लास्टिक यूज न करने की ली शपथ

क्रेसण्ट स्कूल में मनाया गया पेपर बैग दिवस

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

क्रेसंट स्कूल में पर्यावरण संरक्षण एवं प्लास्टिक के उपयोग को कम करने के उद्देश्य व विद्यार्थियों में जागरूकता फैलाने के लिए पेपर बैग दिवस मनाया गया। कीर्ति, तिमांशी, मिष्ठी, एवं रिपजोत के मंच संचालन में हर्षिक, नवयम, यशदीप एवं हर्षिल ने 'प्लास्टिक को न कहे' का संदेश अपने सुविचारों के माध्यम दिया। दिव्या एवं जीविका ने अपने-अपने व्याख्यान के माध्यम से प्लास्टिक से होने वाले प्रदूषण तथा प्राकृतिक पर्यावरण के लिए होने वाले गंभीर खतरों के बारे में जागरूक किया। छात्रा भूमिका ने 'देखो ये भूल न जाना, जब भी तुम बाजार जाना' कविता का वाचन किया। विद्यार्थियों ने 'प्लास्टिक मुक्त अभियान' को दर्शाते हुए एक नुक्कड़ नाटिका की प्रस्तुति दी एवं उपस्थित अध्यापकों व विद्यार्थियों को प्लास्टिक न अपनाने एवं वातावरण को शुद्ध रखने की शपथ दिलाई। हिमांशु, झलक, प्रभनूर एवं हरमन ने 'से नो टू प्लास्टिक, यूज पेपर बैग' आदि को स्लोगन के माध्यम से दर्शाया।

सृष्टि व सौम्या ने पेपर बैग से संबंधित सामान्य ज्ञान के प्रश्न पूछ कर सभी विद्यार्थियों का ज्ञान वर्धन किया। पेपर बैग बनाने की गतिविधि में अभिभावकों को भी इसका हिस्सा बनाया गया। प्री-प्राइमरी विंग में आमंत्रित अभिभावकों ने पुराने अखबार, पत्रिकाओं एवं रंगीन कागज का इस्तेमाल करते हुए फूलों व रिबन से सजाकर बड़े ही कलात्मक ढंग से पेपर बैग बनाये। प्रधानाचार्या पूनम ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि हम सभी अपने दैनिक जीवन में पेपर बैग का उपयोग करे एवं प्लास्टिक बैग का बहिष्कार करे।

फतेहाबाद। क्रेसंट स्कूल में बच्चों के साथ पेपर बैग बनाते अभिभावक।

पर्यावरण संरक्षण की मुहिम स्कूलों में किया पौधरोपण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

टीम निफा सिरसा गो ग्रीन इंडिया अभियान के तहत पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन दयानंद सीनियर सैकेंडरी स्कूल नाथूसरी चोपटा में किया गया। दयानंद वेलफेयर समिति के अध्यक्ष भारत सिंह कासनियां, निफा हरियाणा महासचिव दलबीर सिंह और अभिभावकों ने टीम निफा सिरसा के साथ मिलकर यूपीईएस यूनिवर्सिटी देहरादून के छात्र-छात्राओं द्वारा इंटर्नशिप कार्यक्रम के तहत निफा के गो ग्रीन अभियान के तहत पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन क्षेत्र के विभन्नि भागों में कर रहे हैं, जिसमें विभन्नि संस्थाओं का सहयोग भी मिल रहा है। गार्गी फाउंडेशन, मातृभूमि वेलफेयर सोसाइटी, नेहरू युवा केंद्र और विभन्नि क्लबों और पंचायतों के सहयोग से पर्यावरण जन जागरूकता अभियान को आगे बढ़ा रहे हैं। प्राचार्या शिखा विजेंद्र गोदारा ने पर्यावरण को मजबूती प्रदान करने पर टीम निफा सिरसा का धन्यवाद किया। इस अवसर पर लक्ष्य कासनियां, गार्गी, यासमीन, दुष्यंत ईकक्षीता, आरब, स्वराज मैडम, रवि कुमार, पूनम बश्नोई, चांदनी, अमन सोनी, महावीर घोटड़, कृष्ण कुमार, वेद प्रकाश, नैशनल यूथ अवॉर्डी अनिल ढिढारिया, निफा कोऑर्डिनेटर चिमन भारतीय सहित अन्य मौजूद रहे।

खालसा कॉलेज में एमए पंजाबी में दाखिले शुरू

रतिया। खालसा त्रिशताब्दी राजकीय महाविद्यालय, रतिया में एम.ए. पंजाबी की 40 सीटों पर दाखिले आरम्भ हो गये हैं। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. प्रेम मेहता ने कहा कि चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय में खालसा त्रिशताब्दी राजकीय महाविद्यालय की एम.ए. पंजाबी की एक विशिष्ट पहचान है क्योंकि हर परीक्षा में टॉप मेरिट सूची में इस महाविद्यालय के विद्यार्थियों की सम्मानजनक संख्या होती है इसलिए जो विद्यार्थी एम.ए. पंजाबी में दाखिला लेना चाहते हैं वे हरियाणा उच्चतर शिक्षा विभाग की वेबसाइट/ऑनलाइन एडमिशन पोर्टल पर जाकर ऑनलाइन आवेदन करें। एम. ए.पंजाबी में दाखिले के लिए पोर्टल 12 जुलाई से 25 जुलाई तक खुला रहेगा। इच्छुक विद्यार्थी प्रवेश प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की समस्या आने पर महाविद्यालय में आकर एडमिशन कमेटी से संपर्क करें।

खबर संक्षेप

युवक को चाकू दिखाकर हजारों की नकदी छीनी

फतेहाबाद। गांव हांसपुर में सीएससी सैंटर चलाने वाले युवक से कुछ बदमाशों द्वारा हजारों की नकदी व मोबाइल छीनने का मामला सामने आया है। इस बारे पीड़ित युवक की शिकायत पर सदर फतेहाबाद पुलिस ने शनिवार को केस दर्ज किया है। पुलिस को दी शिकायत में शिव नगर फतेहाबाद निवासी तरूण कुमार ने कहा है कि वह गांव हांसपुर में सीएससी सैंटर चलाता है। गत दिवस शाम को वह सीएससी सैंटर पर काम करके वापस घर आ रहा था।

मकान से सोने व चांदी के गहने चोरी, शिकायत

फतेहाबाद। चोरों ने चौधरी कालोनी स्थित एक मकान में घुसकर वहां से सोने व चांदी के गहने चोरी कर लिए। इस बारे सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंच गई और जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दी शिकायत में बीघड़ रोड स्थित चौधरी कालोनी निवासी संदीप ने कहा है कि गत दिवस वह अपने परिवार के साथ किसी काम से हिसार गया हुआ था। वह मकान को ताला लगाकर गया था। दो दिन बाद सुबह जब वह वापस घर आया तो उसने देखा कि उसके घर में सारा सामान बिखरा पड़ा था।

गांव धिड़ में हरे पेड़ों को काटा, दर्ज किया केस

फतेहाबाद। गांव धिड़ में कुछ लोगों द्वारा हरे पेड़ काटने का मामला सामने आया है। हालांकि मामला करीब दो माह पुराना है लेकिन शहर फतेहाबाद पुलिस ने अब इस बारे केस दर्ज किया है। पुलिस को दी शिकायत में गांव धिड़ निवासी गुलाब सिंह ने कहा है कि गांव की पंचायती भूमि व हुडा रोड़ी से 6 पीपल और एक नीम का हरा पेड़ काटा गया है। यह पेड़ 25-30 सालों से यहां खड़े थे। गुलाब सिंह ने कहा कि 25 मई को कुछ लोगों ने इन हरे पेड़ों को काट डाला और अगले दिन लकड़ियों को ट्राली में लोड करके ले गए हैं।

खेत से सोलर पम्प का कंट्रोलर चोरी

फतेहाबाद। चोरों ने गांव मानावाली में एक खेत से सोलर पम्प का कंट्रोलर चोरी कर लिया। पुलिस को दी शिकायत में गांव मानावाली निवासी रविन्द्र ने कहा है कि उसका खैरातीखेड़ा रोड पर हनुमान मंदिर के पास खेत है। गत दिवस रात करीब 11 बजे वह खेत में काम करके घर लौटा था। अगले दिन सुबह जब वह वापस खेत गया तो उसने देखा कि उसके खेत में लगे सोलर पम्प का कंट्रोलर गायब था। इस पर पहले उसने आसपास तलाश की लेकिन जब चोरों बारे कुछ पता नहीं चला तो उसने पुलिस को शिकायत दर्ज करवाई।

हथियारों सहित फोटो पोस्ट करने पर केस दर्ज

फतेहाबाद। जिला पुलिस अधीक्षक आस्था मोदी द्वारा सोशल मीडिया पर हथियारों सहित फोटो पोस्ट करने वालों पर कड़ी कार्रवाई के निर्देश दे रखे है। एसपी के निर्देशों के बाद जिला पुलिस ऐसे मामलों में कार्रवाई भी कर रही है। सोशल मीडिया पर विभिन्न हथियारों का प्रदर्शन करने पर जिला पुलिस ने भट्टूकलां के एक युवक के खिलाफ शस्त्र अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया है। इस बारे सीआईए फतेहाबाद पुलिस को सूचना मिली थी कि भट्टूकलां निवासी रवि शर्मा ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफार्म इंस्टाग्राम व फेसबुक पर विभिन्न हथियारों के साथ 5 फोटो अपलोड किए गए हैं।

महिला को गांजा सहित किया गिरफ्तार

फतेहाबाद। सीआईए टोहाना व शहर टोहाना की संयुक्त पुलिस टीम ने ढाब बस्ती टोहाना से एक महिला को काबू कर उसके कब्जा से 1 किलो 400 ग्राम गांजा बरामद किया है। पकड़ी गई महिला आरोपी की पहचान संतोष पत्नी दलबीर सिंह निवासी ढाब बस्ती टोहाना के रूप में हुई है। उसके खिलाफ थाना शहर टोहाना मे मादक पदार्थ की तस्करी के तहत मामला अंकित किया गया है। सर्च अभियान के दौरान पुलिस ने रेलवे पुल के पास से उक्त महिला को शक के आधार पर काबू किया। पुलिस ने जब उसकी तलाशी ली तो उसके पास से 1 किलो 400 ग्राम गांजा बरामद हुआ।

कुछ भी नहीं मिला, कार्यवाही सवालों के घेरे में

नशे के खिलाफ पुलिस और ड्रग विभाग ने की छापेमारी

डबवाली पुलिस व ड्रग इंस्पेक्टर की टीम ने यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक के निर्देशों पर की

हरिभूमि न्यूज ▸▸ डबवाली

मेडिकल पर नशे की बिक्री के लिए चर्चित डबवाली शहर में पुलिस व ड्रग विभाग की टीम मिलकर छापेमारी करती है। मजेदार बात है कि जिस इलाके में मेडिकल नशे के कारण लगातार मौतें हो रही हैं। वहां इस संयुक्त छापेमारी में पुलिस व विभाग की टीम को नशे के रूप में प्रयोग होने वाली एक भी मेडिकल की आइटम किसी दुकान पर नहीं मिलती। कार्रवाई पर सवाल उठ रहे हैं। डबवाली पुलिस व ड्रग इंस्पेक्टर की टीम ने डबवाली में शनिवार को यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक दीप्ति गर्ग के निर्देशानुसार डीएसपी जय भगवान के नेतृत्व में की। पुलिस के साथ ड्रग इंस्पेक्टर सुनील कुमार ने शहर डबवाली में सरां मेडिकल स्टोर,किंग मेडिकल स्टोर ,शर्मा मेडिकल स्टोर ,सुधीर मेडिकल स्टोर ,कमल मेडिकल स्टोर व ,गिन्नी मेडिकल स्टोर पर चेकिंग की । पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि इनमें से किसी के पास नशे से संबंधित दवाई नहीं मिली।

सिरसा। पुलिस व विभाग की टीम एक मेडिकल स्टोर पर जांच करती। फोटो : हरिभूमि

छापेमारी के दौरान कोई भी नशे में प्रयुक्त होने वाली दवाई नहीं मिली

इसी तरह डीएसपी किशोरी लाल के नेतृत्व में ड्रग इंस्पेक्टर सुनील कुमार ने गांव चौटाला में धारणीयां मेडिकल स्टोर गुरुनानक मेडीकल स्टोर, रवद्विां मेडिकल स्टोर, सतगुरु मेडिकल स्टोर, गुरु कृपा मेडिकल स्टोर आदि मेडिकल स्टोर को चैक किया गया। जिन पर नशे में प्रयुक्त होने वाली किसी भी प्रकार की कोई दवाई नहीं मिली है। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि कुछ मेडिकल स्टोर का रिकॉर्ड सही नहीं था। उन्हें ड्रग इंस्पेक्टर द्वारा नोटिस भेजे जाएंगे। आज की कार्रवाई को 15 जुलाई को चौटाला में होने वाले रोष प्रदर्शन से भी जोडकर देखा जा रहा है। नशे की बढ़ती बक्रिी के खिलाफ बड़े चौटाला में सोमवार को आंदोलन की घोषणा की गई है। इसी बीच कार्रवाई हुई लेकिन पुलिस के हाथ खाली रहे। डबवाली शहर में सरेआम मेडिकल बक्रिी की कई दुकानों पर नशा बिकता है लेकिन पुलिस व ड्रग विभाग को कुछ भी नहीं मिलता। लोगों का मानना है कि सब कुछ सेटिंग के साथ होता है शायद इसलिए ऐसी कार्रवाई खानापूर्ति से अलावा कुछ नहीं होती।

ग्रीन मिशन के तहत किया पौधरोपण

- यदि हम पेड़ों के बीच में रहते हैं तो हम बहुत सी बीमारियों से बचे रह सकते हैं : बीडीपीओ

हरिभूमि न्यूज ▸▸ फतेहाबाद

'हमारा फतेहाबाद हरा भरा हो' लक्ष्य को लेकर चलाए जा रहे ग्रीन मिशन अभियान के पांचवें चरण में जिला पुस्तकालय फतेहाबाद में पौधारोपण किया गया। इस अवसर पर न केवल पौधे लगाए गए बल्कि वहां मौजूद लोगों को फलदार पौधे वितरित करते हुए उन्हें अधिक से अधिक पौधारोपण करते हुए इस अभियान से जुड़ने का आह्वान किया गया। कार्यक्रम का संचालन महेन्द्र कुमार धारनियां एडवोकेट ने किया वहीं अध्यक्षता खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी अनिल बिश्नोई ने की। उन्होंने कहा कि पेड़-पौधे मानव जीवन के लिए बेहद जरूरी है। हमें न केवल उनको लगाना चाहिए बल्कि उनकी पूरी देखरेख भी करनी चाहिए। पेड़ हमें छाया, ऑक्सीजन, फल, फूल और शुद्ध वातावरण देत हैं। यदि हम पेड़ों के बीच में रहते हैं तो हम बहुत से बीमारियों से बचे रह सकते हैं। महेन्द्र कुमार धारनियां एडवोकेट ने ग्रीन मिशन अभियान के बारे में जानकारी दी और कहा कि अब तक के चार चरणों में शहर में विभिन्न जगहों पर सैंकड़ों पौधे लगाए जा चुके हैं और उनकी देखभाल भी की जा रही है।

फतेहाबाद। जिला पुस्तकालय में पौधारोपण करते अतिथिगण ग्रीन मिशन अभियान से जुड़े युवा। फोटो : हरिभूमि

पीसी एंड पीएनडीटी की की बैठक 16 जुलाई को

फतेहाबाद। जिला में पीसी एंड पीएनडीटी की गतिविधियों की समीक्षा के लिए 16 जुलाई दोपहर बाद 2.30 बजे हुडा सेक्टर-3 स्थित पोली क्लीनिक में सीएमओ कार्यालय में जिला एडवाइजरी कमेटी की बैठक आयोजित की जाएगी। बैठक में जिला में प्रसव पूर्व भ्रूण लिंग जांच की रोकथाम, संदिग्धों पर छापामार कार्रवाई तथा बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान को गति देने संबंधी कार्यवाही पर विचार-विमर्श किया जाएगा। डिस्ट्रक्टि एप्रोप्रियेट अथोरिटी (डीएए) की चेयरपर्सन एवं सिविल सर्जन डॉ. महेंद्र कुमार भादू ने बताया कि इसके अतिरिक्त बैठक में जिला में नए अल्ट्रासाउंड, सीटी स्कैन, आईवीएफ केंद्रों का रजिस्ट्रेशन आदि मुद्दों पर भी विचार किया

डीएवी पुलिस स्कूल में नेत्र जांच कैम्प

फतेहाबाद। हिसार रोड पर पुलिस लाइन स्थित डीएवी पुलिस पब्लिक स्कूल में विद्यालय की ओर से नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में मॉडल टाऊन स्थित आई क्यू अस्पताल से नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. सतीश धींगड़ा के नेतृत्व में विशेषज्ञों की टीम ने अपनी सेवाएं दी और सैंकड़ों विद्यार्थियों के आंखों की जांच करते हुए उन्हें आंखों की देखभाल के सम्बंध में महत्वपूर्ण सुझाव दिए। स्कूल के प्राचार्य अरूण शर्मा ने आई क्यू अस्पताल से आई टीम का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि कोरोना काल के बाद से विद्यार्थियों में ऑनलाइन शिक्षा ग्रहण के प्रति रूचि बढ़ी है। यही कारण है कि विद्यार्थी आज मोबाइल, टैबलेट या कम्प्यूटर का काफी प्रयोग कर रहे हैं जिससे बच्चों की आंखें भी प्रभावित हो रही है। इसी के मद्देनजर विद्यालय द्वारा समय-समय पर ऐसे शिविरों का आयोजन कर विद्यार्थियों की आंखों की जांच की जाती है। डॉ. सतीश धींगड़ा ने विद्यार्थियों को आंखों की देखभाल कैसे करे, इसको लेकर विभिन्न प्रकार के टिप्स भी दिए।

ग्रुप डी संघर्ष विकास समिति की बैठक

भूना। ग्रुप डी संघर्ष विकास समिति के तत्वावधान में शनिवार को जिला फतेहाबाद यूनियन की मीटिंग किसान रेस्ट हाउस भूना में किया गया। मीटिंग में 21 जुलाई को पंचकुला में प्रमोशन की मांग के लिए प्रस्तावित रैली में जाने के लिए तैयारियों के लिए विचार विमर्श किया। कर्मचारियों ने बताया कि ग्रुप डी 4/2018 में लगे हुए 18218 कर्मचारियों के द्वारा लगातार प्रमोशन की मांग को लेकर प्रदर्शन हो रहे हैं। इसी कड़ी में 21 जुलाई को पंचकुला में प्रमोशन की मांग को लेकर डी ग्रुप के कर्मचारियों की प्रस्तावित रैली को सफल बनाने के लिए रणनीति बनाई गई। इस मौके पर जिला फतेहाबाद कमेटी के जिलाध्यक्ष संदीप श्योराण, उपप्रधान रोहतास वर्मा, भूना ब्लॉक प्रधान चमन भुक्कल आदि रहे।

सुभाष चन्द्र बोस पुरस्कार के लिए आवेदन आमंत्रित

हरिभूमि न्यूज ▸▸ फतेहाबाद

भारत सरकार के गृह मंत्रालय के अधीन राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की ओर से सुभाष चन्द्र बोस आपदा प्रबंधन पुरस्कार-2025 के लिए ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। केवल भारतीय नागरिक और भारतीय संस्थान ही पुरस्कार के लिए आवेदन करने के पात्र हैं। पुरस्कार के लिए आवेदन करने की अंतिम तिथि 31 अगस्त है। उपायुक्त राहुल नरवाल ने बताया कि व्यक्तियों और संगठनों के अमूल्य योगदान और निस्वार्थ सेवा भाव को पहचानने और सम्मानित करने के लिए सुभाष चंद्र बोस आपदा प्रबंधन पुरस्कार के नाम से वार्षिक पुरस्कार दिया जाता है। इस पुरस्कार की घोषणा हर साल 23 जनवरी को नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती पर की जाती है। उन्होंने बताया कि संस्थानों, स्वैच्छिक संगठनों, कॉपारे्रेट संस्थाओं, शैक्षणिक/अनुसंधान संस्थानों, प्रतिक्त्रिया/वर्दीधारी बलों या किसी अन्य संस्थान के लिए पुरस्कार के लिए एक संस्था के रूप में आवेदन कर सकते हैं। पुरस्कार के लिए उम्मीदवार ने भारत में आपदा प्रबंधन जैसे रोकथाम, शमन, तैयारी, बचाव, प्रतिक्रिया, राहत, पुनर्वास, अनुसंधान/नवाचार कार्य के क्षेत्र में काम किया हो।

स्कूल में लगी आग, लाखों का नुकसान

- विद्यालय का 37 वर्षों का रिकॉर्ड जलकर हुआ खाक

हरिभूमि न्यूज ▸▸ ओढां

पीएम श्री जवाहर नवोदय स्कूल ओढ़ा में बीती रात करीब 11 बजे शॉर्ट सर्किट के कारण आग लग गई। जिसमें स्कूल का 37 वर्षों का सरकारी रिकार्ड व लाखों रुपये का फर्निचर जलकर खाक हो गया। आग लगने की सूचना मिलते ही प्राचार्य ललित कालडा व स्टाफ मौके पर पहुंचा और दमकल विभाग व पुलिस को सूचित किया। थोड़ी देर बाद दो दमकल गाडिय़ों ने पहुंच कर आग पर काबू पाया। इतने में क्लेरिकल कार्यालय जलकर राख हो गया। वद्यिालय के प्राचार्य ललित कालड़ा ने बताया कि इसकी सूचना उपायुक्त सिरसा व हैड ऑफिस जयपुर को सूचित कर दिया है। उन्होंने बताया कि गत रात्रि बरसात के कारण बिजली नहीं थी और जनरेटर चल रहा था और उन्होंने चौकीदार को जनरेटर बन्द करने को कहा। उसके कुछ समय बाद बताया गया कि कार्यालय में से धुआँ उठ बाहर आ रहा है। आग स्कूल के क्लेरिकल विभाग में लगी और धीरे-धीरे स्कूल के गलियारे तक फैल गई। इस आग में स्कूल में पढऩे वाले बच्चों का 1987 से अब तक का रिकॉर्ड जल गया है। इसके साथ ही स्कूल के 4 कंप्यूटर, प्रिंटर, एलसीडी और सभी फ्लेक्स भी जल गए हैं। मौके पर पहुंची दमकल की गाड़ी ने आग पर काबू पा लिया। कार्यालय में लगी आग को देखकर स्टाफ सदस्य व वद्यिार्थी सहम गए और प्राचार्य ने स्कूल की पढ़ाई ना करवाते हुए बच्चों को हॉस्टल में ही

सिरसा। ओढां के नवोदय वद्यिालय में आगजनी से राख हुआ फर्नीचर व अन्य सामान।

नए बस अड्डे से मोटरसाइकिल चोरी

फतेहाबाद। शहर के नया बस अड्डे से वाहन चोरों ने एक मोटरसाइकिल चोरी कर लिया। इस बारे पुलिस को दी शिकायत में डीएसपी रोड, लाजपत नगर निवासी लक्ष्य ने कहा है कि गत दिवस वह अपने मोटरसाइकिल पर सवार होकर बस स्टैण्ड गया था। उसने अपने मोटरसाइकिल को नए बस स्टैण्ड पर खड़ा किया और बस में सवार होकर हांसी चला गया। जब वह वापस फतेहाबाद आया तो उसने देखा कि वहां से उसका मोटरसाइकिल गायब था। इस पर पहले उसने आसपास मोटरसइकिल की तलाश की लेकिन जब कुछ पता नहीं चला तो उसने इस बारे पुलिस को शिकायत दर्ज करवाई। पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

---

20 से 28 अगस्त तक होगी चयनित युवाओं की अग्निवीर भर्ती प्रक्रिया

हरिभूमि न्यूज ▸▸ फतेहाबाद

सेना भर्ती कार्यालय हिसार के भर्ती निदेशक कर्नल अमेया सावंत ने बताया कि फतेहाबाद, सिरसा, हिसार और जींद जिलों से चयनित अभ्यर्थियों की अग्निवीर भर्ती प्रक्रिया 20 से 28 अगस्त तक सेना भर्ती कार्यालय परिसर, हिसार मिलिट्री स्टेशन में आयोजित की जाएगी। सभी अभ्यर्थियों को उनके पंजीकृत ई-मेल आईडी पर एडमिट कार्ड भेज दिए गए हैं। उम्मीदवार सेना की आधिकारिक वेबसाइट पर लॉग इन करके अपना प्रवेश पत्र डाउनलोड कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि सेना भर्ती प्रक्रिया कम्प्यूटरीकृत, निःशुल्क और पारदर्शी है। आवेदकों को किसी दलाल से संपर्क नहीं करना चाहिए, वे भर्ती प्रक्रिया में आपकी मदद नहीं कर सकते। उन्होंने बताया कि अग्निवीर भर्ती के पहले दिन सिरसा जिलों से अग्निवीर जनरल ड्यूटी, दूसरे दिन सिरसा और हिसार जिलों से अग्निवीर जनरल ड्यूटी, तीसरे दिन हिसार और फतेहाबाद जिलों से अग्निवीर जनरल ड्यूटी, चौथे दिन फतेहाबाद और जींद जिलों से अग्निवीर जनरल ड्यूटी, पांचवे दिन जींद जिलों से अग्निवीर जनरल ड्यूटी एवं सिरसा, हिसार, फतेहाबादए जींद जिलों के सभी तहसील से अग्निवीर ऑफिस असिस्टेंट, अग्निवीर स्टोर कीपर टेक्निकल, अग्निवीर टेक्निकल और अग्निवीर ट्रेड्समैन श्रेणियों के उम्मीदवारों की भर्ती की जाएगी।

इस साल 1000 पौधे लगाएगा लायंस क्लब रतिया सिटी

- 450 पौधे आरोपित किए जा चुके हैं 50 पौधे गावर सिटी रतिया और 100 पौधे एडवोकेट प्रदीप सैनी के फार्म पर सरदूलगढ़ रोड में लगाए

हरिभूमि न्यूज ▸▸ रतिया

डिस्ट्रिक गवर्नर सुधा कामरा के नेतृत्व में प्रथम सेवा सप्ताह सेव द नेचर के अंतर्गत लायंस क्लब रतिया सिटी पौधारोपण के कार्यक्रम को आगे बढ़ा रहा है। सेवा प्रोजेक्टों के अध्यक्ष सुखचरण दास अरोड़ा ने बताया कि प्रधान प्रदीप बंसल के नेतृत्व में 51 सेवा प्रोजेक्टों का लक्ष्य रखा गया है, उसे जल्दी ही पूरा कर लिया जाएग।

पौधे लगाने के बाद होगी देखरेख

सचिव गोपाल चंद कुलरियां ने बताया कि इस वर्ष 1000 पौधे लगाए जाएंगे। सभी पौधे ऐसी जगह पर लगाए जाएंगे, जहां उनकी अच्छी तरह देखभाल हो सके। विशाल गोयल ने बताया कि आज तक 450 पौधे आरोपित किए जा चुके हैं और आज 50 पौधे गावर सिटी रतिया और 100 पौधे एडवोकेट प्रदीप सैनी के फार्म पर सरदूलगढ़ रोड में लगाए गए है।

प्रदीप बंसल ने बताया कि पिछले वर्ष इसी मुहिम के तहत 800 पौधे लगाए गए थे जिनमें लगभग 600 पौधे अभी कामयाब है जो के पेड़ों का रूप धारण कर चुके हैं।

उन्होंने कहा कि विकास की दौड़ में प्रकृति का दोहन हो रहा है। ऐसे में ज्यादा से ज्यादा पौधे लगाएंगे तो ही प्रकृति को बचा सकेंगे। क्लब के संरक्षक एडवोकेट अमीर तनेजा ने गावर सिटी में लगाए गए पौधों की देखभाल करने की जिम्मेदारी ली। इस अवसर पर उपाध्यक्ष हरवीर जौड़ा, कोषाध्यक्ष विपन बंसल, वरिष्ठ सदस्य डॉ. सोमचंद गोयल, राजू अरोड़ा, खेमचंद मोगा आदि उपस्थित रहे।

सदर बाजार में इलेक्ट्रोनिक की दुकान में चोरी की घटना

सिरसा। पुलिस हिरासत में आरोपी।

हरिभूमि न्यूज ▸▸ सिरसा

शहर के सदर बाजार में एक इलेक्ट्रॉनिक शॉप से हुई चोरी की घटना को पुलिस ने चंद घंटों में सुलझा कर आरोपी को गिरफ्तार कर चोरीशुदा सामान बरामद कर लिया है। शहर थाना प्रभारी सत्यवान ने बताया है कि गिरफ्तार किए गए आरोपी की पहचान योगेश उर्फ मोनू पुत्र सुबा राम निवासी गांव धनूर के रूप में हुई है। थाना प्रभारी ने बताया कि पकड़े गए आरोपी की निशानदेही पर चोरीशुदा 5 एग्जॉस्ट फैन, दो छत के पंखे, एक लैपटॉप तथा 4500 रुपए की नगदी बरामद कर ली है। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार किया गया आरोपी योगेश नशा करने का आदि है तथा नशे की पूर्ति के लिए ही उसने उक्त वारदात को अंजाम दिया था। उन्होंने बताया कि रिमांड अवधि के दौरान चोरीशुदा कॉपर वायर बरामद की जाएगी। थाना प्रभारी ने बताया कि गिरफ्तार किए गए आरोपी से पूछताछ की जा रही है और पूछताछ के दौरान अन्य आपराधिक वारदातों के बारे में खुलासा होने की संभावना से भी इंकार नहीं किया जा सकता। थाना प्रभारी ने बताया कि इस संबंध में दुकान संचालक पवन कुमार निवासी माधोसिंघाना की शिकायत पर शहर थाना सिरसा में अभियोग दर्ज कर जांच शुरू की गई थी।

युवाओं को सीपीआर जैसी तकनीक की जानकारी होना बेहद जरूरी

बोसवाल में युवाओं को दिया सीपीआर का प्रशिक्षण

हरिभूमि न्यूज ▸▸ फतेहाबाद

सुदेश भण्डारी चैरिटेबल ट्रस्ट की ओर से सीपीआर प्रशिक्षण और नशामुक्ति को लेकर प्रदेशभर में एक अभियान शुरू किया गया है। इसी कड़ी में आज गांव बोसवाल स्थित सरकारी स्कूल में ट्रस्ट द्वारा सीपीआर प्रशिक्षण और नशामुक्ति शिविर का आयोजन किया गया। जिला रेडक्रॉस सोसायटी के सहयोग से आयोजित इस शिविर में जिला प्रशिक्षण अधिकारी दलबीर सिंह व उनकी टीम ने विद्यार्थियों और ग्रामीणों को जागरूक किया। कार्यक्रम में विशेष तौर पर भाजपा किसान मोर्चा के प्रदेश सचिव ठाकुर भवानी सिंह ने भाग लिया। शिविर के दौरान जिला प्रशिक्षण अधिकारी दलबीर सिंह ने सीपीआर तकनीक के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि देश की 140 करोड़ की आबादी में कुछ प्रतिशत लोगों को ही सीपीआर के बारे में पता है। ऐसे में लोगों को इस तकनीक की जानकारी का प्रशिक्षण दिया जाए तो बहुत सी जिंदगियों को बचाया जा सकता है। उन्होंने बताया कि सीपीआर एक प्राथमिक चिकित्सा तकनीक है जिसका उपयोग आप तब कर सकते हैं जब किसी की सांस नहीं चल रही हो या उसका दिल रुक गया हो। सीपीआर किसी की जान बचा सकता है और यह एक ऐसा कौशल है जिसे हर कोई सीख सकता है। सीपीआर में छाती को दबाना और मुंह से मुंह देकर (बचाव सांस) देना शामिल है। ठाकुर भवानी सिंह ने गांव में पहुंचे ट्रस्ट सदस्यों व रेडक्रास टीम का धन्यवाद करते हुए कहा कि युवाओं को सीपीआर जैसी तकनीक की जानकारी होना बेहद जरूरी है। आपातकाल स्थिति में हम पीड़ित को सीपीआर देकर उसकी बहुमूल्य जिंदगी को बचा सकते हैं। उन्होंने ट्रस्ट द्वारा किए जा रहे प्रयासों को सराहा और युवाओं से नशे से दूर रहकर देश के विकास में अपना योगदान देने की अपील की।

फतेहाबाद। गांव बोसवाल में युवाओं को सीपीआर की ट्रेनिंग देते जिला प्रशिक्षण अधिकारी। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, 783, पी.एल.ए., नजदीक टाउन पार्क, हिसार
फोन : 9315429403, 7988727916, 9253681005

हरिभूमि
रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रोहतक,रविवार 14 जुलाई 2024

कुछ समय पहले तक माना जाता था कि अगर हमारा आईक्यू लेवल हाई है तो हम सबसे बुद्धिमान लोगों की श्रेणी में शामिल हैं। फिर इसमें ईक्यू और एसक्यू फैक्टर्स भी जोड़े गए। इन दिनों बुद्धिमत्ता के नए मानक एक्यू की दुनिया भर में चर्चा हो रही है। क्या है यह एक्यू पैमाना और इसे सबसे इंपॉर्टेंट क्यों माना जा रहा है? जानिए, विस्तार से।

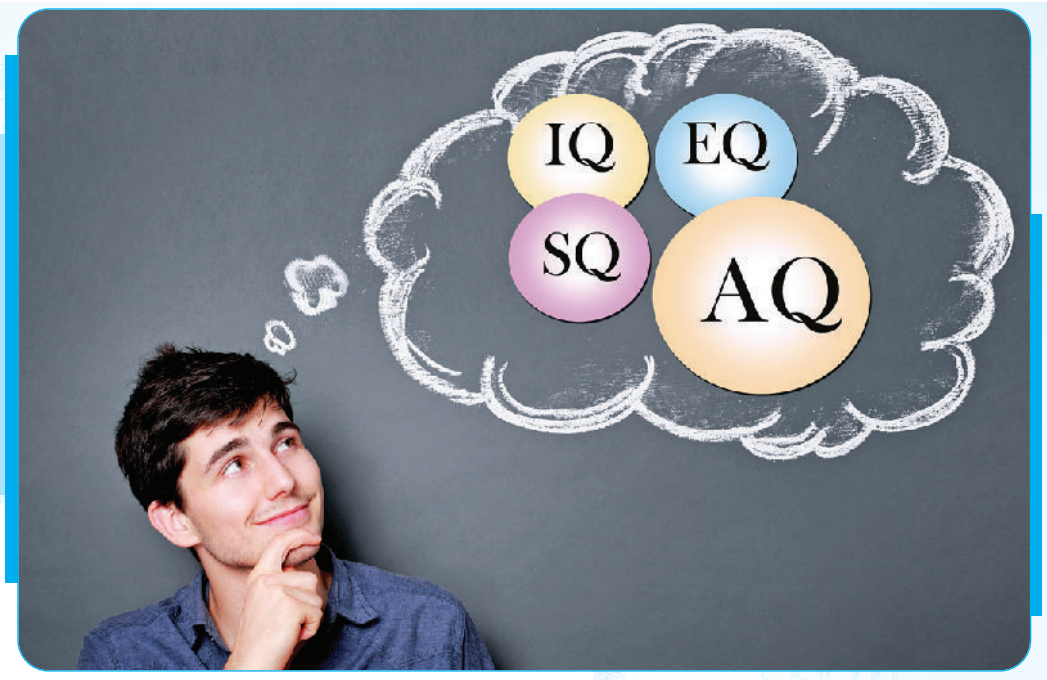

आईक्यू-ईक्यू-एसक्यू से भी इंपॉर्टेंट है हमारा एक्यू

कवर स्टोरी
लोकमित्र गौतम

अगर हम मानते हैं कि अलग-अलग लोगों में उनकी बुद्धि का स्तर अलग-अलग होता है, तो जाहिर है बुद्धि के मापने का कोई पैमाना भी होगा। साल 1912 में प्रसिद्ध मनोवैज्ञानिक विलियम स्टर्न ने बौद्धिक क्षमता मापने के पैमाने आईक्यू यानी इंटेलीजेंस कोशेंट का कॉन्सेप्ट दिया।

आईक्यू बताता है बौद्धिक क्षमता

आईक्यू पैमाने के मुताबिक हर व्यक्ति की मानसिक क्षमता का अलग-अलग स्कोर होता है। यही स्कोर या संख्या बताती है कि कोई व्यक्ति अपने समूह के दूसरे लोगों के मुकाबले कम बुद्धिमान है या ज्यादा। हालांकि बुद्धि की गणना का यह पैमाना अकसर विवादों में भी घिरता रहता है, क्योंकि जहां इस पैमाने के तहत महान वैज्ञानिक आइंस्टीन का आईक्यू 160 और न्यूटन का आईक्यू 190 माना जाता है, वहीं 1898 में न्यूयॉर्क (अमेरिका) में जन्मे विलियम जेम्स का आईक्यू 250 से 300 के बीच माना जाता है। दरअसल, अगर किसी व्यक्ति का आईक्यू 145 से 160 के बीच होता है, तो उसे जीनियस कहा जाता है। लेकिन विलियम जेम्स का आईक्यू तो 250 से 300 के बीच था, फिर उसे किस श्रेणी में रखा जाए? जेम्स में निःसंदेह असाधारणता के कुछ गुण थे। मसलन, 18 माह की आयु में ही उसने न्यूज पेपर पढ़ना शुरू कर दिया था, 9 साल की उम्र में उसने हार्वर्ड विश्वविद्यालय में दाखिला ले लिया था। माना जाता है कि उसने 40 भाषाओं में मास्टर डिग्री हासिल की थी। लेकिन इन कुछ चमत्कार से लगने वाले व्यक्तिगत गुणों के अलावा जेम्स के नाम कोई ऐसी खोज नहीं है, जिसने दुनिया को बदलकर रख दिया हो, जैसे आइंस्टीन और न्यूटन ने किया। बहरहाल, इस बहस के बावजूद यह भी तय है कि किसी और सटीक पैमाने के ना होने के कारण बुद्धिमत्ता को कोशेंट के पैमाने से तो परखना ही पड़ेगा।

मानसिक क्षमता के अन्य पैमाने

पिछले कुछ दशकों में अकेला आईक्यू ही किसी की मानसिक क्षमता को परखने का एकमात्र पैमाना नहीं रहा, क्योंकि मानसिक क्षमताओं की भी अलग-अलग परिस्थितियों में अलग- अलग तरह से परख होती है। इसलिए अब अलग-अलग मौकों में बुद्धिमत्ता की परख के लिए विभिन्न पैमाने भी इस्तेमाल में लाए जाते हैं। मसलन, आईक्यू के अलावा ईक्यू यानी इमोशनल कोशेंट। एसक्यू यानी सोशल कोशेंट और अब हाल के दिनों में बुद्धिमत्ता का एक नया पैमाना, जो पूरी दुनिया में काफी चर्चा में है, वह है एक्यू यानी एडवर्सिटी कोशेंट।

इन दिनों चर्चा में है एक्यू

एडवर्सिटी कोशेंट का मूल अर्थ, बुरे वक्त में दर्शाई गई बुद्धिमत्ता से होता है। यानी, कठिन समय में आप किस कुशलता से अपने को संभालते हुए सही निर्णय लेते हैं, किस कुशलता से अपने काम को अंजाम देते हैं? दरअसल, एक्यू का अर्थ ऐसे समय पर दर्शाई गई बुद्धिमत्ता से होता है, जब वाकई बहुत बुरा वक्त हो और सामान्य व्यक्ति को उससे निकलने का कोई उपाय ना सूझे। एडवर्सिटी कोशेंट, इन दिनों खूब चर्चा में है और हाल-फिलहाल में यह किसी इंसान की बौद्धिक परख का सबसे निर्णायक पैमाना माना जाने लगा है। मनोवैज्ञानिकों का कहना है कि किसी व्यक्ति में चुनौतियों से निपटने की कितनी कुशलता है, इसकी सबसे अच्छी परख उसके बुरे वक्त पर ही होती है। क्योंकि बुरे वक्त पर ज्यादातर लोग बुद्धिमत्तापूर्ण व्यवहार नहीं कर पाते। इसे इस तरह से समझ लीजिए कि कई बहुत अच्छे और सज्जन लोग भी गुस्से के समय पूरी तरह से अपना आपा खो देते हैं और वह उतनी ही बुरी तरह से लड़ते है, जितनी बुरी तरह से आम गैर पढ़े-लिखे लोग लड़ते हैं या दूसरे शब्दों में नासमझ लोग जिस तरह से बुरे समय में व्यवहार करते हैं, वैसा ही व्यवहार कई अच्छे लोग भी अपने बुरे वक्त में करते हैं। इसलिए एक्यू की कसौटी पर ऐसे लोगों को बुद्धिमान नहीं माना जा सकता है।

बुरे दौर से निकलने की क्षमता

एडवर्सिटी कोशेंट, वास्तव में प्रतिकूलता का गुणांक होता है। हर व्यक्ति अपने सामने आई चुनौतियों से निपटने का कोई ना कोई तरीका अपनाता है। जिस व्यक्ति का ऐसी चुनौतियों से निपटने का तरीका सबसे कारगर और मौजूदा परिस्थितियों में सबसे प्रभावी होता है, वास्तव में वही बुद्धिमान होता है। इसलिए देखने में आता है कि कई सफल लोग भले सामान्य परिस्थितियों में ज्यादा कुछ ना बोलें, बढ़-चढ़कर अपनी समझदारी ना दिखाएं, लेकिन जब बुरा वक्त आता है तो वे बहुत ही बुद्धिमत्तापूर्ण ढंग से उस बुरे वक्त से बाहर निकल आते हैं। माना जाता है कि कॉर्पोरेट सेक्टर में सफलता के सबसे ऊंचे पायदान पर आईक्यू बहुत महत्वपूर्ण नहीं होता, क्योंकि यहां तक अगर कोई पहुंचा है तो उसकी दिमागी क्षमता सामान्य लोगों से तो ज्यादा होगी ही। इस स्तर पर ईक्यू भी बहुत महत्वपूर्ण नहीं रह जाता, क्योंकि सफलता के सबसे ऊंचे पायदान पर या बहुत ऊंचे पायदान पर भावनाएं बहुत मायने नहीं रखती हैं और इस स्तर पर सामाजिकता भी कम से कम उतनी अर्थपूर्ण नहीं रहती, जितनी निचले स्तर के लोगों के लिए सामाजिकता की कीमत होती है।

सफलता के सबसे ऊंचे पायदान पर पहुंचकर अगर आप अचानक परेशानियों से घिर गए हैं, चुनौतियों में उलझ गए हैं, तो ऐसे वक्त पर प्रतिकूलता के दौरान दिखाई गई बुद्धिमत्ता ही एकमात्र वह गुण होगा, जिसके जरिए आप इस कठिन समय से बाहर आएंगे और बुद्धिमत्ता की जिस तरकीब के जरिए आप बुरे वक्त से बाहर निकलेंगे, वह तरकीब ही साबित करेगी कि आपमें प्रतिकूल समय से बाहर निकलने की कितनी क्षमता है?

सबसे महत्वपूर्ण बन गया एक्यू

पिछले कुछ दशकों में अलग-अलग बुद्धिमत्ता पैमाने पर लोगों की प्रतिभा को कसने के बाद अब मनोवैज्ञानिक निर्णायक रूप से इस नतीजे पर पहुंचे हैं कि जिंदगी में सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण कठिन समय में दिखाई गई कुशलता या बुरे वक्त की वह बुद्धिमत्ता ही होती है, जिसकी बदौलत कोई व्यक्ति अपने बुरे दिनों से बाहर आता है। यह कुशलता कई तरह से व्यक्त होती है। अपने लिए सहानुभूति हासिल करके, आत्म-जागरूकता की ऊंचाईयां छूकर, जबरदस्त अनुशासन या आत्मसंतुलन का मादा दिखाकर, प्रेरणा के सबसे ऊंचे पायदान पर खड़े होकर प्रेरित होने और सामाजिक रूप से हर पैमाने पर कुशल साबित होने से यह बुद्धिमत्ता विजयी कौशल बनकर सामने आती है।

दरअसल, हाल के दशकों में दुनिया में लोगों के पास संपत्ति चाहे जितनी बढ़ी हो, विकास चाहे जिस पैमाने पर पहुंचा हो, लेकिन सच्चाई यह है कि अब से ज्यादा निराशा, तनाव, बेचैनी और पराजयबोध किसी भी दूसरे दौर में नहीं देखा और महसूसा गया। इसलिए आज आर्थिक रूप से और परचेजिंग पावर (क्रयशक्ति) के पैमाने पर भले लोग ज्यादा खुशहाल दिखें, लेकिन मानसिक स्तर पर आज कहीं ज्यादा लोग परेशान हैं और यह मानसिक परेशानी ही है, जो पुराने वक्त के मुकाबले आर्थिक रूप से ज्यादा खुशहाल होने के बावजूद हमें निराशा और तनाव से हमेशा दो-चार रखती है। ऐसी स्थितियों में इन परेशानियों से बाहर आना ही वास्तव में बुद्धिमत्ता की निशानी है। इसलिए आज एडवर्सिटी कोशेंट या कठिन समय से कुशलतापूर्वक बाहर निकलने को सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण माना जाता है। *

विराट कोहली का एक्यू है हाई

कई बार हम कुछ खिलाड़ियों के बारे में यह कहा करते हैं कि यह खिलाड़ी प्रॉब्लम सॉल्वर या टफ टाइम हीरो है यानी क्राइसेस के समय ही इसकी क्षमताएं निकलकर बाहर आती हैं। जाहिर है, ऐसा खिलाड़ी टीम के लिए सबसे महत्वपूर्ण होता है। उदाहरण के लिए हाल में भारत द्वारा जीते गए टी-20 विश्व कप के पूरे टूर्नामेंट में विराट कोहली बहुत अच्छा नहीं खेल पाए थे। लेकिन ज्यादातर एक्सपर्ट यह मानकर चल रहे थे कि फाइनल में विराट कोहली जरूर चलेंगे, उनका बल्ला बोलेगा और एक्सपर्ट यह भी कह रहे थे कि अगर फाइनल में विराट कोहली नहीं चले तो भारत का जीतना मुश्किल होगा। देखा जाए तो सबकुछ ऐसा ही हुआ। फाइनल में विराट कोहली ने 59 गेंदों में शानदार 76 रन बनाए और उन्हीं के रनों की बदौलत भारत ने दक्षिण अफ्रीका को 20 ओवर में 177 रनों का टारगेट दिया। अगर कोहली ने इस निर्णायक मैच में यह बेहतरीन ईनिंग ना खेली होती तो भारत का जीतना बहुत मुश्किल था। इससे प्रूफ हो गया कि विराट कोहली का एक्यू कितना हाई है!

लाइफ को बेचैन बना रहे अनलिमिटेड ऑप्शंस

तकनीकी विकास और बेशुमार सुविधाओं ने जीवन को कई मायने में आसान और आरामतलब तो बनाया है। लेकिन इसके साथ ही अनलिमिटेड ऑप्शंस की भरमार, हमारी मानसिक शांति को हमसे छीन रही है, हमें बेचैन बना रही है।

लाइफस्टाइल
शिखर चंद जैन

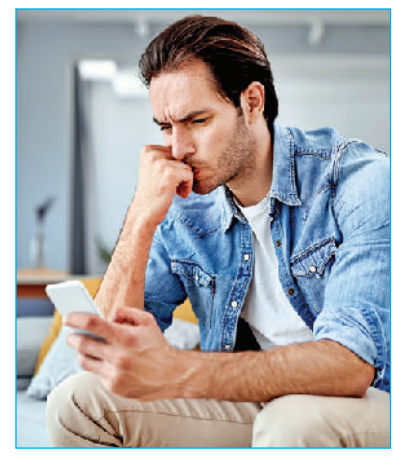

कई वर्किंग यंगस्टर्स अकसर फूड डिलीवरी एप्स पर पसंदीदा भोजन और रेस्टोरेंट की सर्चिंग के लिए लंबा समय बर्बाद करते और परेशान होते दिखते हैं। बहुत सोच-समझ कर मंगाने के बाद भी वे इस खाने से असंतुष्ट होते दिखते हैं। कई बार तो वे इस बात का निर्णय लेने में काफी वक्त बर्बाद कर देते हैं कि ओटीटी पर कौन-सा शो या मूवी देखी जाए। लेकिन इन्हें हमेशा लगता है कि काफी वक्त और ऊर्जा खर्च करने के बाद उन्होंने जो निर्णय लिया वह बिल्कुल गलत था।

बेवजह की बेचैनियों से परेशानः आजकल के कई यंगस्टर्स, दिनभर बेवजह परेशान, हैरान और उलझन में दिखते हैं। उनके चेहरे पर तनाव, झुंझलाहट और व्यग्रता का अंदाजा कोई भी समझदार आसानी से लगा सकता है। आपको जानकर हैरानी होगी कि इन बेचैनियों में से ज्यादातर बहुत बचकाने कारणों से होती हैं। ये हालात सिर्फ युवाओं के ही नहीं, इसके शिकार कुछ हद तक अब प्रौढ़ भी होने लगे हैं। अचरजकारी बात यह है कि हम अपनी जिंदगी के महत्वपूर्ण और कठिन निर्णयों को अकसर मामूली समझने लगे हैं। शादी के लिए या फिर जॉब चुनने में लोग ज्यादा वक्त और ऊर्जा भले ना लगाएं पर मामूली निर्णयों को जरूरत से ज्यादा तवज्जो देने लगे हैं। फैशन की होड़ और बेकार की जोड़-तोड़ के जंजाल में लोग ऐसे फंसे हैं कि अपनी मानसिक शांति खोते जा रहे हैं।

वजह हैं ज्यादा ऑप्शंसः क्या आपने सोचा है कि इतनी बेचैनियों की वजह क्या है? सबसे बड़ी वजह है, ज्यादा ऑप्शंस की मौजूदगी। हम एक ऐसे युग में जी रहे हैं, जहां सब कुछ बहुतायत में उपलब्ध है। सुविधाएं अंतहीन हैं और बाजार ढेर सारे विकल्पों से भरे पड़े हैं। यही अधिकता, हमारी मानसिक अशांति, चिंता, दुख, बेचैनी और अवसाद की सबसे बड़ी वजह है।

असल में आज की तारीख में हमें सबसे ज्यादा परेशान वह चीज करती है, जिसे हम खरीद नहीं पाए। इंटरनेट पर सर्चिंग हो, आइसक्रीम पार्लर हो, फिटनेस एप्स हो, मूवी थिएटर हो, साड़ी की दुकान हो या टूथब्रश, साबुन, शैंपू जैसी रोजमर्रा की छोटी-छोटी चीजें, हमारे सामने इतने विकल्प होते हैं कि हम कंफ्यूज और बेचैन हो जाते हैं कि आखिर इनमें से कौन-सा चुनें। कई बार हालत यह हो जाती है कि जो टीवी हमने लिया उससे अलग दूसरे के पास है और उसमें कोई एकाध फीचर भी अलग है, जो भले ही काम का नहीं है तो भी हम बेचैन हो जाते हैं।

पहले हम रहते थे सुकून सेः आज से कोई 15-20 साल पहले हर चीज के सीमित विकल्प होते थे। शादी में खाने के आइटम गिनती के होते थे, फिल्में थोक भाव से नहीं आती थीं बल्कि महीने में जो एक आध फिल्म आती थी, वही खूब चलती थी। सामाजिक स्तर पर दिखावा आज जैसा नहीं था। तब हम एक उपभोक्ता के रूप में इतने बेचैन, दुखी और कंफ्यूज बिल्कुल नहीं रहते थे। कमरे में फर्नीचर के नाम पर गद्देवाला बेड और अलमारी होती थी, जिसमें पूरा परिवार अपने कपड़े रखता था। आइसक्रीम या चॉकलेट की कुछ वैराइटीज होती थीं। कभी-कभी उन्हें खाकर ही बड़ा आत्मसंतोष होता था। लेकिन अब इन चीजों को चुनने के लिए भी काफी माथा-पच्ची करनी पड़ती है।

ज्यादा ऑप्शंस करते हैं परेशानः 'एज ऑफ अबेंडंस' यानी 'बहुतायत के युग का जीवन पर प्रभाव' पर अध्ययन करने वाले सोशल साइंटिस्ट कहते हैं कि विकल्पों की यह बहुतायत सुखी और खुशहाल करने के लिए बिल्कुल भी जरूरी नहीं है। जरूरत से ज्यादा विकल्पों की उपलब्धता, इंसानी दिमाग को पैरालाइज कर सकती है। जिससे अंत में हम वह खरीद लेते हैं, जो हमारे लिए ठीक नहीं होता। अमेरिकी मनोवैज्ञानिक और सोशल थ्योरी के प्रोफेसर बेरी श्वार्टज ने अपनी पुस्तक 'पैराडॉक्स ऑफ चॉइस' में कुछ ऐसा ही लिखा है।

हार्वर्ड यूनिवर्सिटी के लॉ स्टूडेंट पेटे डेविस ने 'व्हाट नेटफ्लिक्स टॉट मी अबाउट लाइफ' विषय पर अपने स्पीच में कहा कि ब्राउजिंग की स्वतंत्रता ने यूथ का चैन छीन लिया है। आधे घंटे तक विभिन्न फिल्मों की सर्फिंग और सर्चिंग करने के बाद वे कोई फिल्म नहीं देखते और कंफ्यूज होकर बैठ जाते हैं। आपने देखा होगा कि जिन रेस्टोरेंट में आपको डिशेज के बहुत सारे विकल्प मिल जाते हैं, वहां निर्णय लेने में काफी देर लग जाती है और तब तक आप की भूख मर जाती है। जबकि सीमित विकल्पों वाली जगह आप ज्यादा अच्छी तरह संतुष्ट होकर भोजन कर सकते हैं।

स्मार्टफोन के दर्जनों ऑप्शंस हैं। एप्स के पचासों ऑप्शंस हैं। शॉपिंग के अनगिनत विकल्प हैं। ये ऑप्शंस ही हमें परेशान करते हैं।

टफ बन रहा जीवन : ज्यादा विकल्पों ने हमारा जीवन कुछ मामलों में आसान भले ही बनाया हो लेकिन हकीकत यह है कि इन्होंने जीवन को पहले से ज्यादा टफ बनाने के साथ-साथ हमारी शारीरिक-मानसिक क्षमता पर जंग लगाने का भी काम किया है। हमें चिढ़न होती है, जब भारी मशक्कत के बाद चुनी गई वस्तु, आउट ऑफ स्टॉक होने के कारण हमें नहीं मिल पाती जबकि हमारे किसी मित्र को वह मिल जाती है। हमारी सारी शारीरिक-मानसिक ऊर्जा इस बात पर खर्च हो रही है कि हम दूसरे से बेहतर, होशियार और आगे कैसे नजर आएं बजाय अपनी जरूरत पर आधारित अपनी बेहतरी के प्रयास के, हम इन अर्थहीन मसलों में उलझे रहते हैं।

कहने का सार यही है कि शांतिपूर्ण और सुकूनदायक जिंदगी के लिए ज्यादा ऑप्शंस के मोहजाल से बचे रहना जरूरी है। *

गजल / डॉ. माणिक विश्वकर्मा 'नवरंग'

नहीं होता जहां कुछ भी

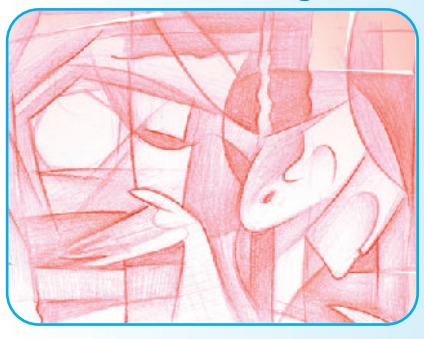

नहीं होता जहां कुछ भी ख़याले-ख़ाम होता है
उसे सुनता नहीं कोई जो किस्सा आम होता है
तुम्हारी बज़्म में जाने से मेरा क़द नहीं बढ़ता
मेरे आने से महफ़िल में तुम्हारा नाम होता है
अजब दस्तूर है दीपक तले पलता है अंधियारा
किसी की जान जाती है किसी का काम होता है
हक़ीकत आ ही जाती है निगाहों में जमाने की
बुराई का हमेशा से बुरा अंजाम होता है
फकत इज्जत की ख़ातिर बोली जाती हैं कई बातें
वहां मुद्दा नहीं रहता जहां कुहराम होता है
भले बनकर रहा करते हैं मीठा बोलने वाले
खरा कहता है, जो अकसर वही बदनाम होता है
उन्हें अफ़सोस होगा जो कभी मुझसे न मिल पाए
मेरी हर बात पे 'नवरंग' कोई पैगाम होता है

कहानी / सरस्वती रमेश

आज डॉक्टर गुप्ता की क्लीनिक में बहुत भीड़ थी। सामने बेंच पर एक महिला बैठी हुई थी। उसकी साड़ी एकदम मलिन थी, हाथ-पैर धूल में नहाए। लग रहा था कोई मजदूर है। कहीं से काम करके लौटी है। उसकी गोद में एक चार-पांच साल का बच्चा था। बच्चा एकदम सुस्त पड़ा था। डॉक्टर गुप्ता ने बच्चे की नाड़ी देखी। आंखों की पुतलियां जांचकर बोले, 'दस्त से शरीर में पानी की कमी हो गई है। ग्लूकोज चढ़ाना पड़ेगा।'

डॉक्टर की बात सुनकर महिला सहम-सी गई। एक पल ठिठक कर उसने सकुचाते हुए पूछा,'कितने पैसे लगेंगे डॉक्टर साहब?'

'दो सौ रुपए ग्लूकोज के और दवाइयों के अलग से।' डॉक्टर ने बताया। 'हमारे पास तो बस सौ रुपए हैं।' महिला मुट्ठी में रुपए दबाए हुई थी। उसके चेहरे पर चिंता की लकीरें उभर आई थीं।

'तो और पैसे घर से ले आओ।' डॉक्टर सख्त लहजे में बोला और दूसरा मरीज देखने लगा।

'तुम बालमुकुंद की घरवाली हो ना?' डॉक्टर की बात सुनकर पास खड़े एक व्यक्ति ने महिला से पूछा। उसने सिर हिला कर हामी भरी और उस व्यक्ति से पूछा, 'आप कौन?'

'मेरा नाम विमल है। मैं बालमुकुंद को जानता हूं। वह राज मिस्त्री है ना। मेरा घर उसी ने बनाया था। आजकल कहां है वह, दिखाई नहीं देता?' विमल ने पूछा।

'उनके पैर पर लेंटर गिर पड़ा था। पैर की हड्डी कई जगह से टूट गई है। दो महीने से खाट पर पड़े हैं।' महिला बहुत ही दुखी स्वर में बोली। 'अरे ! यह तो बड़े तकलीफ की बात है। ये बच्चा तुम्हारा है?' विमल ने बच्चे की ओर इशारा करके पूछा।

'हां, ये हमारा बेटा है। इसकी तबीयत बहुत खराब है।' कहकर महिला रुआंसी हो गई।

सबसे बड़ा है प्रेम, दया-करुणा का इंसानी रिश्ता। बरसों पहले इसी रिश्ते का बीज बोया था विमल ने। उन्हें क्या पता था कि अनजाने में बोए इस बीज के अंकुर एक दिन तब फूटेंगे, जब उन्हें इसकी सबसे अधिक जरूरत होगी। मानवीय रिश्तों पर आधारित दिल को छूने वाली कहानी।

करुणा का बीज

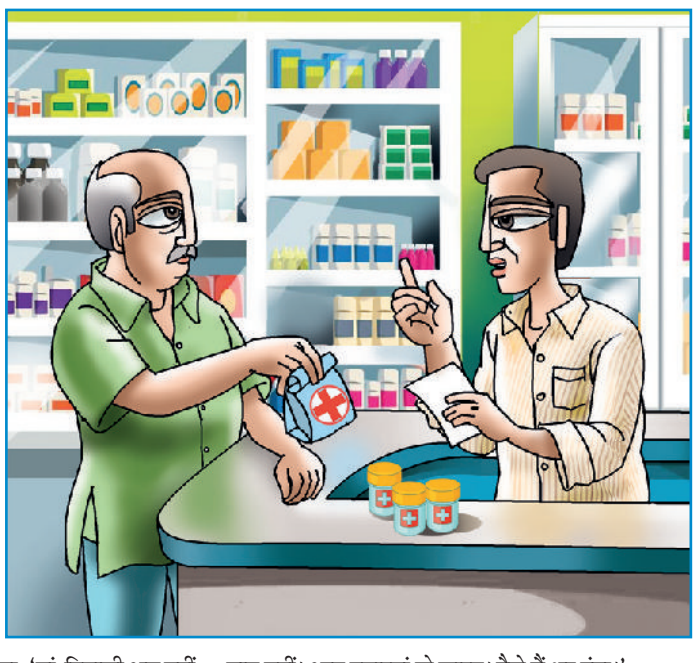

विमल को महिला की स्थिति पर बहुत दया आई। वह जानते हैं, बालमुकुंद अच्छा मिस्त्री ही नहीं, एक अच्छा इंसान भी है। हाथ में हुनर है लेकिन बेचारा आजकल खाट पर पड़ा है। विमल समझ गए, घर चलाने के लिए जरूर बालमुकुंद की घरवाली लेबर का काम कर रही है। विमल ने डॉक्टर से कहा, 'आप इस बच्चे का इलाज करिए, पैसे मैं दूंगा।'

डॉक्टर बच्चे का इलाज करने के लिए राजी हो गया। विमल डॉक्टर के बताए पैसे देकर चले गए। इस बात को बीस वर्ष बीत गए। विमल अब बूढ़े हो चुके थे। उनके कोई संतान नहीं थी। वह पत्नी के साथ रहते थे। वृद्धावस्था का एकमात्र सहारा उनकी छोटी सी पेंशन थी। लेकिन दोनों बुढ़ापे के रोगों से परेशान रहते थे। पेंशन उनकी दवाइयों और घर खर्च के लिए काफी नहीं थी। एक दिन विमल मेडिकल स्टोर से दवाइयां खरीद रहे थे, तभी वहीं मेडिकल स्टोर पर काम करने वाले एक युवा पर उनकी नजर ठहर गई। बिल्कुल बालमुकुंद के जैसी कद काठी, नयन-नक्श भी वही। विमल ने उस युवक से पूछ ही लिया, 'तुम बालमुकुंद के बेटे हो?'

'हां, अंकल, आप कौन हैं?' उस युवक ने पूछा।

विमल ने बताया, 'मैं तुम्हारे पिता को जानता हूं। उन्होंने बरसों पहले मेरा घर बनाया था। मेरा नाम विमल है।'

'आप वही विमल अंकल हैं, जिन्होंने बचपन में एक बच्चे का इलाज करवाया था?'

एक क्षण विचारमग्न होने के बाद विमल ने मुस्कुराते हुए हां में सिर हिला दिया।

युवक हंसते हुए बोला, 'मैं वही बच्चा हूं, कृष्णा। बालमुकुंद जी का बेटा।'

'अरे! तुम तो बहुत बड़े हो गए।' विमल ने युवक को ध्यान से ऊपर से लेकर नीचे तक देखा।

कृष्णा बहुत भावुक हो गया, बोला, 'मां-पिताजी अब नहीं रहे। मां बताया करती थीं कि उस समय मैं आपकी वजह से जीवित बच पाया था। पिताजी आपको बहुत नेक इंसान मानते थे। अंकल आपको क्या चाहिए हमें बताइए?'

विमल हड़बड़ा गए। अपने थैले से दवाई की पर्ची निकालकर बोले, 'बेटा, ये दवाइयां दे दो।'

कृष्णा ने पर्ची देखकर दवाइयां निकाल दीं। साथ में 570 रुपए का बिल पकड़ा दिया। विमल अपनी दायीं-बायीं, ऊपर नीचे की सारी जेबें टटोल कर पैसे निकालने लगे, लेकिन सारे पैसे निकालने के बाद भी पैसे पूरे नहीं पड़े। कृष्णा को यह बात समझते देर ना लगी। वह विमल से बोला, 'अंकल, कोई बात नहीं। आप दवाइयां ले जाइए। पैसे मैं भर दूंगा।'

'अरे नहीं बेटा, मैं दवाइयां बाद में ले जाऊंगा।' विमल झेंप रहे थे। कृष्णा ने जबरदस्ती विमल को दवाइयां पकड़ा दीं। साथ में अपना मोबाइल नंबर देते हुए बोला, 'अंकल, आपको जब भी किसी दवाई की जरूरत पड़े, आप मुझे फोन कर दीजिएगा। यहां आने की आपको जरूरत नहीं है। और ना आप पैसों की चिंता करना। मैं हूं ना, आपके बेटे के समान हूं। आपके घर दवा पहुंचा दूंगा।' यह सुनकर विमल की आंखें भर आईं। बीस साल पहले अनजाने ही एक रिश्ते का बीज पड़ गया था। अब वह अंकुरित होकर बाहर झांक रहा था, पल्लवित-पुष्पित होने के लिए। *

बारिश के मौसम में केरल के विभिन्न इलाकों में आयोजित होने वाली सर्प नौका दौड़, अपने अनोखेपन के कारण विश्वविख्यात है। इस सांस्कृतिक आयोजन में गीत-संगीत की मधुरता के साथ ही खेल का रोमांच भी शामिल होता है। इसे देखने के लिए देश-विदेश से बड़ी संख्या में पर्यटक आते हैं। इसकी विशिष्टताओं पर एक नजर।

अनोखी-मनोहारी केरल की नौका दौड़

{ कल्चरल इवेंट / धीरज बसाक }

अपने देश के दक्षिणी राज्य केरल में मानसून शुरू होते ही, मनोहारी सर्प नौका दौड़ के आयोजन शुरू हो जाते हैं। इस साल पिछले महीने 22 जून 2024 से उसका आगाज हो चुका है और अब यह सितंबर 2024 तक पूरे केरल में अनेक जगहों पर भव्यता के साथ संपन्न होती रहेगी। इन्हें देखने के लिए यहां देश-विदेश के लाखों पर्यटक पहुंचते हैं।

गीत-संगीत-खेल की जुगलबंदी

'चुंडनवल्लम' या 'स्नेक बोट' वास्तव में फुंफकारते सांप सी दिखने वाली एक लंबी पारंपरिक डोंगी शैली की नाव होती है, जो अमूमन 100 से 120 फीट तक लंबी होती है। इन नौकाओं पर 4 नाविक-गायकों के समूह से लेकर 100-125 नाविक-गायक तक सवार हो सकते हैं। नौका दौड़ के दौरान, नाविक नदी या बड़ी-बड़ी झीलों में बहुत तेज गति से नाव भगाते हैं। इस दौरान उन नावों पर सवार गायक और नाविक, केरल के पारंपरिक वाद्ययंत्रों की संगत में 'वंचिपट्टू' यानी सामूहिक लय वाला नौका गीत गाते हैं। यह गायन नाविकों का उत्साह बढ़ाने के लिए होता है। इस नौका दौड़ में गायक और नाविक अकसर एक ही होते हैं, इसलिए कोई नाविक, नाव चलाते (खेते हुए) हुए अगर महसूस करता है कि उसकी तरफ का गीत-संगीत कमजोर हो रहा है, तो वह कोई वाद्य बजाने लगता है। इसी तरह जरूरत पड़ने पर कोई कलाकार गाना या बजाना छोड़कर, चप्पू थामकर नाव चला सकता है, ताकि प्रतिद्वंद्वी नाव से उसकी नाव पीछे ना रहे। इस दौरान गीत-संगीत और खेल की जुगलबंदी देखते ही बनती है।

सदियों पुरानी परंपरा

केरल में सर्पिल नौका दौड़ के आयोजन की सदियों पुरानी परंपरा है।

माना जाता है कि करीब 400 सालों से केरल में स्नेक बोट रेस का आयोजन किया जा रहा है। इसके शुरू होने के पीछे एक प्रसिद्ध किंवदंती यह है कि प्राचीनकाल में विभिन्न रियासतों के राजा, एलेप्पी (अलप्पुझा) और उसके आस-पास के इलाकों के जलमार्गों का इस्तेमाल, एक-दूसरे के विरुद्ध लड़ने के लिए करते थे। इन जलयुद्धों के दौरान वे एक-दूसरे पर भारी पड़ने के लिए सटीक हल्की और पानी को तीव्रता से काटने वाली डोंगीनुमा नावों का इस्तेमाल किया करते थे, जिनका अगला सिरा फुंफकारते सांप के फन जैसा बनाया जाता था और इसे खूंखार दर्शाने के लिए इसे लाल, काले और गेरुए रंग से रंगते थे। धीरे-धीरे ये जलयुद्ध तो खत्म हो गए, लेकिन बेहतरीन नाव वास्तुकारों के द्वारा बनाई गई स्नेक बोट बची रहीं, जिनके चलते इस आधुनिक स्नेक बोट रेस का आयोजन किया जाने लगा। इसके जरिए लोगों ने सालों में विकसित हुई इस कुशलता की परंपरा को बरकरार रखा और रेस के जरिए हार-जीत के रोमांच को भी इसमें शामिल कर लिया। इस तरह धीरे-धीरे हर साल मानसून के महीनों में जून के अंतिम या जुलाई के पहले सप्ताह से लेकर सितंबर तक सर्प नौका दौड़ों और बेहतरीन सांस्कृतिक संगीत के आयोजन की परंपरा शुरू हो गई।

विशिष्ट होते हैं चार आयोजन

वैसे तो पूरे केरल में जगह-जगह स्थानीय सर्प नौका दौड़ आयोजित होती हैं। लेकिन जिन चार सर्प नौका दौड़ों को केरल सहित पूरी दुनिया में बहुत उत्सुकता से देखा और इंतजार किया जाता है, वे हैं- चंपाकुलम सर्प नौका दौड़, नेहरू ट्रॉफी स्नेक बोट रेस, अरनमुला स्नेक बोट रेस और पयिप्पड़ जलोत्सवम। मानसून की शुरुआत में सबसे पहले चंपाकुलम नौका दौड़ शुरू होती है। यह सबसे प्राचीन और लोकप्रिय स्नेक बोट रेस है। इस स्नेक बोट रेस में, अंबलप्पुषा के श्रीकृष्ण मंदिर में भगवान की मूर्ति की स्थापना का जश्न मनाया जाता है। इस जश्न के दौरान 25 किलोमीटर की यह सर्प नौका दौड़ भी आयोजित की जाती है, जो एलेप्पी से शुरू होकर चंपक्कुलम नदी में चंगनास्सेरी तक जाती है। इसे देखने के लिए बड़ी संख्या में विदेशी पर्यटक उमड़ते हैं। इसके अलावा नेहरू ट्रॉफी स्नेक बोट रेस का आरंभ 1952 में हुआ, जब तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू पुन्नमदा झील में आयोजित इस रेस को देखने आए थे। तभी से यह नेहरू ट्रॉफी स्नेक बोट रेस आयोजित की जा रही है। तीसरी मशहूर स्नेक बोट रेस अरनमुला की है, जिसमें भगवान श्रीकृष्ण की दो दिवसीय धार्मिक उत्सव की परंपरा शामिल है। यह त्रिवेंद्रम से 116 किलोमीटर दूर आयोजित होती है। चौथी स्नेक बोट रेस, पयिप्पड़ जलोत्सवम है। यह भी एलेप्पी से 35 किलोमीटर दूर संपन्न किया जाता है।

इस तरह मानसून के दौरान पूरे केरल में चारों तरफ स्नेक बोट रेस का रोमांच दिखाई पड़ता है। *

उत्साह से हिस्सा लेते हैं स्थानीय लोग

लहराते ताड़ के पेड़ों, नदियों, झीलों, आवासीय परिसरों के पीछे शांत बैक वाटर्स और इस तरह की विविध जलराशियां, जो पूरे केरल में हर ओर बिखरी हुई हैं, उन सबमें मानसून के आते ही सर्प नौका दौड़ की रौनक और उत्साह नजर आने लगता है। अपनी सांस्कृतिक आयोजन की धरोहर को संजोने के लिए स्थानीय लोग पूरे उत्साह-उमंग से इसमें हिस्सा लेते हैं। केरल का अनेक गांव के निवासी इस मौके पर अपनी शक्ति और संगीत परंपरा में दक्षता साबित करने के लिए अपनी-अपनी नावों के साथ इस सर्प नौका दौड़ में शामिल होते हैं और इससे बहुत गर्व महसूस करते हैं। मानसून के आते ही पूरे केरल में स्नेक बोट रेस की मस्ती और धूम छा जाती है। पिछले कुछ दशकों से इस मस्ती और उत्सव का हिस्सा बनने के लिए देश के विभिन्न कोने सहित विदेश से भी लाखों पर्यटक पहुंचते हैं।

{ मनी मैटर्स / शैलेंद्र सिंह }

क्रेडिट स्कोर तीन अंकों की एक ऐसी संख्या है, जो आज की तारीख में हमारे फाइनेंसियल स्टेटस और क्रेडेबिलिटी का पैमाना बन चुका है। अगर आप क्रेडिट कार्ड या लोन लेना चाहते हैं तो क्रेडिट स्कोर के बारे में सब कुछ पता होना चाहिए।

फाइनेंसियल क्रेडेबिलिटी का क्राइटेरिया है क्रेडिट स्कोर

आज की तारीख में आप चाहे निम्न मध्यवर्ग के हों, मध्यवर्ग के हों या उच्च मध्यवर्ग के। किसी भी वर्ग के हों, लेकिन बिना बाजार से लोन लिए प्रायः जिंदगी सहजता या कहें सभी सुख-सुविधाओं से नहीं चलती। आज जिंदगी का चक्र कुछ इस तरह का हो गया है कि लोन के दरवाजे से होकर गुजरना ही पड़ता है। चाहे बच्चों को पढ़ाना हो, चाहे घर बनाना हो, चाहे सोशल स्टेटस के लिए कार खरीदनी हो, घर सजाना हो, बिजनेस करना हो या कुछ भी ऐसा काम, जिसमें एक ठीक-ठाक पूंजी की जरूरत होती है, वह पूंजी अब हमें आसानी से लोन के जरिए महज कुछ शर्तों पर उपलब्ध हो जाती है। लेकिन यह सुविधा उन्हीं के लिए बहुत सहज रूप से उपलब्ध है, जिनका क्रेडिट स्कोर अच्छा होता है।

गुड क्रेडिट स्कोर के फायदेः बैंक और वित्तीय कंपनियों की नजर में जो अच्छे उधार लेने वाले हैं यानी उधार लेने के बाद समय पर किस्त चुकाते हैं, बिना मतलब की कोई बाधा नहीं खड़ी करते, लोन चुकाने में आना-कानी नहीं करते, जल्दी से जल्दी कर्ज चुकाने की कोशिश में लगे रहते हैं। बैंकों और वित्तीय संस्थानों की नजर में ऐसे लोग अच्छे सिबिल स्कोर या बेहतर क्रेडिट स्कोर वाले और ईमानदार कर्ज लेने वाले होते हैं। ऐसे ही लोगों को बैंक और वित्तीय संस्थान बार-बार कर्ज देना चाहते हैं।

क्या है गुड-बैड क्रेडिट स्कोरः भारत में चार क्रेडिट ब्यूरो मिलकर किसी का क्रेडिट स्कोर तैयार करते हैं। इनमें एक है इक्विफिक्स, ट्रांसयूनियन सिबिल, एक्सपीरियन और सीआरआईएफ हाईमार्क। ये चार ब्यूरो किसी भी व्यक्ति के पुनर्भुगतान, लिए गए लोन की उपयोगिता, कर्ज लेने के पैटर्न और कर्ज लेने की हिस्ट्री को देखकर उसका क्रेडिट स्कोर तय करते हैं। वास्तव में क्रेडिट स्कोर 300 से 900 अंकों के बीच की संख्या होती है। इस संख्या में अगर आपका क्रेडिट स्कोर 700 है तो यह अच्छा माना जाता है। 700 से ऊपर है तो और अच्छा माना जाता है और अगर 800 या उसके पार है तब तो बहुत अच्छा माना जाता है। आपका जितना अच्छा क्रेडिट स्कोर होगा, बैंक आपको उतने ही कम ब्याज दर पर कर्ज देने का प्रस्ताव देंगे और जितना कम क्रेडिट स्कोर होगा, आपको उतनी ही ज्यादा ब्याज दरों पर कर्ज मिलेगा। अगर आपका क्रेडिट स्कोर उच्चतम श्रेणी यानी 760 से 850 के बीच में है तो आपसे लोन देने वाला अधिकतम 3.307 प्रतिशत ब्याज ले सकता है। मतलब यह कि आरबीआई के रेपो रेट से आपको 3.307 प्रतिशत और ब्याज दर देनी होगी। मान लीजिए रेपो रेट 3.5 प्रतिशत है तो आपको बैंक कुल 6.3 प्रतिशत की ब्याज दर पर ऋण दे देंगे। लेकिन जिसका स्कोर सिर्फ 300 से 500 के बीच होता है, उन्हें अव्वल तो लोन नहीं मिलता, बहुत मुश्किल से अगर मिलता भी है, तो काफी महंगी दरों पर मिलता है।

कैसे बनाएं अच्छा क्रेडिट स्कोरः अब सवाल है कि आखिर बेहतर क्रेडिट स्कोर या बेहतर सिबिल स्कोर कैसे बनाएं? बेहतर क्रेडिट स्कोर के लिए अपने क्रेडिट कार्ड का बिल समय से भरें। अगर कोई मासिक लोन की किस्त चल रही है तो उसे ना सिर्फ नियमित रूप से दें बल्कि समय पर दें। ऐसा ना करने पर क्रेडिट रेटिंग एजेंसियां आपके क्रेडिट स्कोर को कम कर देती हैं। क्रेडिट स्कोर बेहतर बनाए रखने के लिए लोन से जुड़े आवेदन बार-बार ना करें। यदि आप क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल करते हैं तो उसका उचित इस्तेमाल करें। अगर लोन चुकाने में असमर्थ हैं तो सेटलमेंट या समझौता कभी ना करें, इससे तात्कालिक तौर पर आपको राहत मिल जाती है, लेकिन इससे क्रेडिट स्कोर बहुत लंबे समय तक प्रभावित रहता है। *

क्लासिक पोंप डोर

{ मेल जोन / विवेक कुमार }

एक सुटेबल-परफेक्ट हेयर स्टाइल, आपको आपकी वास्तविक उम्र से 10 साल कम का दिखा सकती है। पुरुषों के लिए ऐसे ही पांच हेयर स्टाइल्स के बारे में जानिए।

यंग लुक के ट्रेंडी हेयरस्टाइल्स

अपनी रियल एज से कम का दिखना अधिकतर लोगों की चाहत होती है। ऐसे लुक के लिए आपकी हेयरस्टाइल भी बहुत मायने रखती है। इनमें से कुछ के बारे में जानिए।

अट्रैक्टिव अंडरकटः पिछली सदी में 70 का दशक हो, 90 का दशक हो या मौजूदा दशक हो। पुरुषों का यह आकर्षक हेयरस्टाइल 'अंडरकट' बार-बार लौटकर आता है। खासकर थोड़े लंबे पुरुषों में तो यह हेयर कट एक ही शख्स की पर्सनालिटी अलग-अलग एंगल से अलग-अलग दिखाने लगता है। आपको शायद पता ना हो कि यह हेयर स्टाइल 125 साल पुराना है। साल 1900 में पहली बार यह हेयरस्टाइल जर्मनी में कुछ पुरुषों ने अपनाया था, फिर वहां से अमेरिका पहुंचा और देखते ही देखते सारी दुनिया में छा गया। अंडरकट एक एवरग्रीन हेयरकट ऑप्शन है। फुटबॉल प्लेयर डेविड बेकहम से लेकर क्रिकेटर विराट कोहली तक इसे आजमाते रहते हैं।

क्लासिक क्विफः यह भी काफी पुराना हेयरस्टाइल है। इससे पुरुषों के बाल घने दिखते हैं, क्योंकि किनारे छोटे दिखते हैं और जैसे-जैसे बाल ऊपर चलते हैं, बड़े होते रहते हैं या कम से कम इतने कि कंघी किया जा सके। भारतीय क्रिकेट टीम के बैट्समैन सूर्यकुमार यादव अकसर क्लासिक क्विफ में दिखते हैं। एक जमाने में रिकी पोंटिंग और रणवीर सिंह भी यह हेयरस्टाइल अपनाते थे। इसके लिए आपको कुछ हेयर वैक्स की आवश्यकता होती है। दरअसल, क्लासिक क्विफ एक ऐसा हेयर स्टाइल है, जिसने एक जमाने में पश्चिम में 'कल्ट' की हैसियत हासिल कर लिया था। क्योंकि इसे एल्विस प्रेसली जैसे सुपरस्टार कैरी करते थे। एल्विस के साथ रॉक बिली भी इस स्टाइल के दीवाने थे। बाद में एक लंबे समय तक यह संगीतकारों, विशेषकर युवा संगीतकारों का स्टाइल स्टेटमेंट बन गया। इससे बाल पॉलिश किए गए लगते हैं।

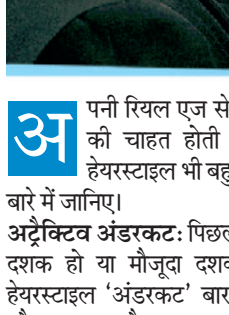

क्लासिक पोंप डोरः यूरोप में यह 1990 में और भारत में 2010 के बाद काफी लोकप्रिय हुआ। हालांकि भारत के पड़ोस, नेपाल में यह हेयर स्टाइल भारत से करीब एक दशक पहले आ गया था। किनारों और पीछे से छोटे ऊपर के बाल लंबे अंडाकार सिर में तो यह बहुत ही खास लगते हैं। अगर आपके बाल घुंघराले हैं तो भी यह स्टाइल आपके लिए खास है, लेकिन अगर सीधे और लहरदार हैं तो भी यह स्टाइल आप पर सूट करेगा। इसमें कंघी करना या यूं ही ढीला और स्टाइलिश छोड़ देना सब चलता है।

क्रू कटः पुरुषों के हेयरस्टाइल में इस स्टाइल का भी जवाब नहीं। यह वास्तव में मल्टी डायमेंशनल स्टाइल है, क्योंकि यह बूढ़ों को भी पसंद है और जवानों को भी, साथ ही टीनएजर भी इसे आजमाते हैं। इसके चलते सिर के पीछे के बाल बेहद छोटे होते हैं, साइड में छोटे होते हैं, सिर्फ खोपड़ी के 20 फीसदी हिस्से में ही बाल होते हैं। मानो हर जगह से बाल कटने के बाद यह स्टाइल पूरी कर दी गई हो। आजकल ये कैजुअल हेयरस्टाइल है, जो महिलाओं को काफी पसंद है। इसलिए भी पुरुष इसे कैरी करते हैं। क्रू कट के साथ यही अच्छी बात है कि इसे एक अच्छी जॉब करने वाला भी कैरी कर सकता है और दिनभर आम लोगों के बीच घूमने वाला व्यक्ति भी।

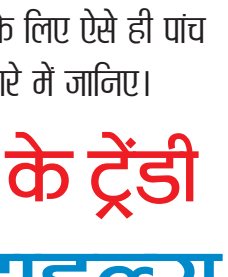

आर्मी कटः आर्मी कट को बज कट भी कहते हैं। यह भी बेहद आकर्षक, पुराना और एनर्जेटिक हेयर स्टाइल है। ज्यादातर देशों की सेना अपने जवानों के बालों को लेकर सजग रहती हैं। वह उन्हें बड़े बाल नहीं रखने देतीं, जिससे कि वे बेतरतीब और अस्त-व्यस्त ना दिखें। बज कट बहुत आसान कट भी है। इसे इलेक्ट्रिक क्लिपर्स के साथ प्रॉप किया जाता है और बालों को तेज और व्यवस्थित बनाए रखने के लिए सैलून की नियमित यात्रा करनी होती है, कम से कम हर एक महीने बाद। *

{ बॉलीवुड फिल्में / डी.जे.नंदन }

फर्स्ट हाफ ईयर-2024 हिट हुईं कम-फ्लॉप हुईं ज्यादा

हिंदी फिल्मों के बॉक्स ऑफिस कलेक्शन के लिहाज से वर्ष 2024 की पहली छमाही बहुत अच्छी नहीं रही। इस दौरान बिग स्टार्स की फिल्में तो कई रिलीज हुईं लेकिन उनमें से कुछ ही बॉक्स ऑफिस कलेक्शन के लिहाज से हिट रहीं। जनवरी से जून तक रिलीज्ड फिल्मों के कलेक्शन पर एक नजर।

कल्कि 2998 एडी

फाइटर

कारोबार के लिहाज से बॉलीवुड के लिए साल 2024 की शुरुआत खट्टी-मीठी रही है। इस दौरान कुछ फिल्में तो हिट रहीं लेकिन ज्यादातर अपनी लागत भी नहीं निकाल पाईं।

जनवरीः 12 जनवरी 2024 को कैटरीना कैफ और विजय सेतुपति स्टारर फिल्म 'मैरी क्रिसमस', जिसकी लागत 50 करोड़ रुपए थी, फ्लॉप रही। यह महज 18 करोड़ रुपए का ही कलेक्शन कर सकी। करीब यही हाल पंकज त्रिपाठी स्टारर फिल्म 'मैं अटल हूं' का भी रहा। 25 करोड़ रुपए की लागत से बनी यह फिल्म बमुश्किल 7 करोड़ रुपए भी नहीं कमा सकी। 'बॉलीवुड मूवी रिव्यूज डॉट कॉम' वेबसाइट के मुताबिक इसकी कमाई कुल 6.4 करोड़ रुपए रही। इस तरह यह फिल्म भी सुपरफ्लॉप रही। 25 जनवरी 2024 को रिलीज हुई रितिक रोशन-दीपिका पादुकोण स्टारर फिल्म 'फाइटर' हिट रही। 225 करोड़ रुपए की लागत से बनी इस फिल्म ने कुल 325 करोड़ रुपए का कलेक्शन किया।

फरवरीः साल का दूसरा महीना फरवरी भी कुछ ऐसा ही रहा। 23 फरवरी 2024 को यामी गौतम और प्रियामणि स्टारर फिल्म 'आर्टिकल 370' जिसकी लागत 40 करोड़ रुपए थी, देश में ही इसने 70 करोड़ रुपए से ज्यादा की कमाई कर ली। इस फिल्म का वर्ल्डवाइड कलेक्शन 110 करोड़ रुपए रहा। इसी महीने आई फिल्म 'क्रैक' सुपरफ्लॉप साबित हुई। विद्युत जामवाल और जैकलीन फर्नांडिस स्टारर फिल्म 'क्रैक' की कॉस्ट करीब 80 करोड़ रुपए थी। लेकिन पूरे देश में इसका कलेक्शन 13 करोड़ रुपए भी नहीं हो सका। इससे भी ज्यादा बुरा हाल इस महीने रिलीज कई छोटी-छोटी फिल्मों का रहा। मसलन, भूमि पेंडनेकर और संजय मिश्रा की 'भक्षक', सतीश कौशिक और राज बब्बर की 'मिर्ग', अनुपम खेर और गुरु रंधावा की 'कुछ खट्टा हो जाए', ये सब फिल्में कब आईं और कब चली गईं, किसी को पता ही नहीं चला। हां, इस माह जो एक और फिल्म अच्छी चली, वह शाहिद कपूर और कृति सेनन स्टारर 'तेरी बातों में ऐसा उलझा' रही। इसकी लागत महज 65 करोड़ रुपए थी और वर्ल्डवाइड कलेक्शन 170 करोड़ रुपए से भी ज्यादा रहा।

मार्चः अब अगर मार्च 2024 में आई ज्यादातर फिल्में, चाहे वो 'बस्तरः द नक्सल स्टोरी' हो, रवीना टंडन और सतीश कौशिक स्टारर 'पटना शुक्ला' हो, देवोलीना भट्टाचार्य और सोहेला कपूर स्टारर 'बंगाल 1947' हो, इन सबका बुरा हाल रहा। इस महीने अपनी लागत निकालने वाली फिल्मों में रणदीप हुड्डा और अंकिता लोखंडे स्टारर 'स्वातंत्र्य वीर सावरकर' और कुणाल खेमू डायरेक्टेड 'मडगांव एक्सप्रेस' रहीं। बाकी सिद्धार्थ मल्होत्रा और दिशा पाटनी स्टारर 'योद्धा' भी फ्लॉप रही, जो 55 करोड़ रुपए की लागत में बनी थी लेकिन 35 करोड़ रुपए भी नहीं वसूल कर पाई। इसी महीने रिलीज्ड तब्बू और करीना कपूर स्टारर 'क्रू' जरूर सफल रही, जो 60 करोड़ रुपए की बजट में बनी और वर्ल्डवाइड करीब 150 करोड़ रुपए का कलेक्शन किया। इस तरह देखें तो पहले तीन महीने का रिपोर्ट कार्ड ठीक-ठाक रहा। जनवरी से मार्च 2024 के बीच आधा दर्जन से ज्यादा फिल्मों के बिजनेस से बॉलीवुड के कारोबार को बूम मिला।

अप्रैलः अब अगर अप्रैल से जून की बात करें तो कलेक्शन बेहतर होने के बजाय और बदतर हुआ। लोकसभा चुनाव, बोर्ड एग्जाम और आईपीएल के कारण कई सारी फिल्में बिना चर्चा के आईं और आकर चली गईं।

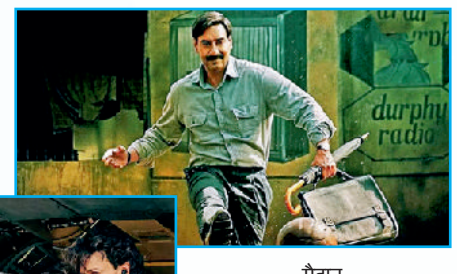

मैदान

बड़े मियां-छोटे मियां

मसलन, विद्या बालन और प्रतीक गांधी की 'दो और दो प्यार', श्रेयस तलपड़े और तनिषा मुखर्जी की 'लव यू शंकर', जॉन अब्राहम और मानुषी छिल्लर की 'तेहरान', आयुष शर्मा और सुश्री मिश्रा की 'रुस्लान', मौनी रॉय-तुषार कपूर की 'लव सेक्स और धोखा-2' और राजपाल यादव-जिया मानेक की 'काम चालू आहे' जैसी फिल्मों की कोई खास चर्चा नहीं हुई। हां, इस महीने इम्तियाज अली डायरेक्टेड, परिणिति चोपड़ा-दिलजीत दोसांझ स्टारर पंजाबी फिल्म 'अमर सिंह चमकीला' की जरूर धूम रही। अक्षय कुमार और टाइगर श्राफ स्टारर 'बड़े मियां-छोटे मियां' बुरी तरह फ्लॉप रही। यही हाल अजय देवगन और प्रियामणि स्टारर 'मैदान' का भी रहा।

मईः बॉक्स ऑफिस कलेक्शन के लिहाज से मई का हाल और बुरा रहा। इस महीने में प्रतीक गांधी की 'डेढ़ बीघा जमीन', राजकुमार राव-जान्हवी कपूर की 'मिस्टर एंड मिसेज माही', अनिल कपूर-दिव्या खोसला कुमार की 'सावीः ए ब्लडी हाउस वाइफ', दीपक तिजोरी और अलंकृता सहाय की 'टिप्पसी'भी असफल रहीं। इस महीने राजकुमार राव की 'श्रीकांत', मनोज वाजपेयी की 'भैय्या जी' और श्रेयस तलपड़े की 'कर्तम भुगतम' ही ऐसी फिल्में रहीं, जो अपनी लागत निकाल सकीं।

जूनः जून 2024 की बात करें तो अमिताभ बच्चन और प्रभास स्टारर 'कल्कि 2998 एडी' बाहुबली जैसी कल्ट फिल्म साबित हुई। कमाई के लिहाज से भी और दर्शकों को अपनी तरफ खींचने के लिहाज से भी। 'कल्कि' ने महज 7 दिनों में 800 करोड़ रुपए से ज्यादा का वर्ल्डवाइड कलेक्शन किया। इस महीने आई 'मुंज्या' भी कलेक्शन और दर्शकों की पसंदगी के लिहाज से चौंकाने वाली रही। जबकि 'शर्मा जी की बेटी', 'रौतु का राज', 'इश्क-विश्क रिबाउंड', 'हमारे बारह', 'मनिहार' और 'लव की अरेंज मैरिज' जैसी फिल्मों में से सिर्फ 'हमारे बारह' ही अपनी लागत निकालने भर की कमाई कर सकी। इस तरह देखा जाए तो मार्च के बाद अप्रैल, मई और जून में बॉलीवुड के कारोबार में पहले तीन महीनों जितनी चमक नहीं रही।

कुल मिलाकर साल 2024 के पहले छह महीनों में कमाई कम, नुकसान ज्यादा हुआ है। लेकिन जिस तरह से 'कल्कि' ने दर्शकों को रोमांचित किया, उससे लगता है कि अगले छह महीने में आने वाली कई बड़ी फिल्में बॉलीवुड के बेहतर बिजनेस की उम्मीदें पूरा करेंगी। *